RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 03 मई 2025
सुर्योदय प्रात: 05:40 बजे
सूर्यास्त सांय 18:58 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 197 | गाजियाबाद, शनिवार 03 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

यूजीसी ने केआईआईटी भुवनेश्वर में छात्राओं की आत्महत्या मामले पर फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने शुक्रवार को कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर में छात्राओं की आत्महत्या मामलों की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के पूर्व कुलपति प्रो. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली यह कमेटी 10 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। यूजीसी ने एक बयान जारी कर कहा कि केआईआईटी, भुवनेश्वर में 16 फरवरी और 1 मई को हुई लगातार दो आत्महत्या की घटनाओं से जुड़ी परिस्थितियों की जांच करने, छात्र कल्याण और सुरक्षा नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाने के लिए एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित करने का निर्णय लिया है।

बिना मेहरम के हज के मुकद्दस सफर पर रवाना हुईं 51 महिलाएं, केंद्र सरकार के कारण हुआ संभव

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्र सरकार ने महिलाओं के लिए हज यात्रा को आसान बनाने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। अब अकेली महिलाओं को भी बिना किसी 'मेहरम' के हज यात्रा पर जाने की अनुमति दे दी गई है, जो पहले संभव नहीं था। इससे उन महिलाओं को भी हज पर जाने का मौका मिलेगा, जो अकेले यात्रा करना चाहती हैं। शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट से 51 महिलाओं को हज के लिए रवाना किया गया। हज पर जा रही महिलाएं काफी खुश हैं। इसके अलावा सरकार ने हज यात्रा के दौरान महिलाओं को आर्थिक मदद भी दी है, ताकि वे यात्रा का खर्च आसानी से उठा सकें और उनका अनुभव सुरक्षित और सम्मानजनक बन सके।

जाति जनगणना को कांग्रेस ने बताया अपनी जीत

कार्य समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने शुक्रवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई थी। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल थे।

कार्य समिति की बैठक में एक प्रशताव पारित हुआ, जिसमें बताया गया कि लगातार 11 वर्षों तक केंद्र सरकार द्वारा ठुकराए जाने के बाद अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की लंबे समय से चली आ रही मांग जाति आधारित जनगणना को आखिरकार मोदी सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

इस फैसले को कांग्रेस ने अपनी नीति की जीत बताते हुए सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया है। हालांकि, कांग्रेस कार्य समिति ने इस फैसले को "आश्वासन मात्र" मानते हुए कहा है कि अब तक न तो सरकार ने जाति जनगणना के क्रियान्वयन की कोई स्पष्ट रूपरेखा साझा की है और न ही इसके लिए वित्तीय प्रावधान की घोषणा की है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 16 अप्रैल 2023 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर व्यापक और अद्यतन जाति जनगणना की औपचारिक मांग की थी। इस पत्र में अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा हटाने की बात भी उठाई गई थी।

बताया गया कि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लगातार मुखर रहे हैं। उन्होंने 2022 के उदयपुर नव संकल्प शिविर, 2023 रायपुर अधिवेशन, संसद में अपने भाषणों और भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान जातिगत आंकड़ों के महत्त्व पर जोर दिया। कांग्रेस का यह मानना है कि जब तक आरक्षण और कल्याण योजनाएं ठोस आंकड़ों पर आधारित नहीं होंगी, तब तक सामाजिक न्याय अधूरा रहेगा।

कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेद 15(5) को तत्काल लागू करने की मांग भी दोहराई है। यह प्रावधान निजी शैक्षणिक संस्थानों में भी वंचित समुदायों को आरक्षण देने की अनुमति देता है। कांग्रेस का मानना है कि जब उच्च शिक्षा का बड़ा हिस्सा निजी हाथों में है, तो इन संस्थानों से ओबीसी, दलित और आदिवासी छात्रों को बाहर रखना सामाजिक असमानता को और बढ़ाता है।

कांग्रेस कार्य समिति ने तेलंगाना राज्य के जाति सर्वेक्षण मॉडल की प्रशंसा की है, जिसमें नीति निर्माण में सामाजिक वैज्ञानिकों, नागरिक समाज और समुदायों की भागीदारी रही। पार्टी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि इसी पारदर्शी और सहभागी मॉडल को राष्ट्रीय शतर पर अपनाया जाए।

सीडब्ल्यूसी ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया अब और विलंबित नहीं होनी चाहिए। पार्टी ने मांग की है कि सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लिया जाना चाहिए। संसद में इस विषय पर तत्काल बहस कराई जानी चाहिए। सरकार को तुरंत आवश्यक धन आवंटित करना चाहिए और जनगणना के लिए स्पष्ट समय सीमा घोषित करनी चाहिए।

बताया गया कि यह पूरी प्रक्रिया हर चरण में पारदर्शी और सहभागी होनी चाहिए। एकत्र किए गए आंकड़े सार्वजनिक नीति की व्यापक समीक्षा का आधार बनने चाहिए। खासकर आरक्षण, कल्याण योजनाओं, शैक्षिक पहुंच और रोजगार के अवसरों के क्षेत्र में।

कांग्रेस कार्य समिति का मानना है कि यदि जाति जनगणना को उचित तरीके से डिजाइन और क्रियान्वित किया जाए, तो यह समाज के सभी वर्गों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 10 की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देशभर में मौसम ने करवट ली है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी और छत्तीसगढ़ में गुरुवार रात आंधी-बारिश और बिजली-पेड़ गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 4-4 और छत्तीसगढ़ में 2 लोगों ने जान गंवाई है। दिल्ली-एनसीआर से अभी भी तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चल रही है। यहां निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। दिल्ली एयरपोर्ट से 100 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हो गई हैं। 3 को डायवर्ट भी करना पड़ा। साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में ओले-बारिश का दौर जारी है। पिछले 6 दिन प्रदेश के आधे हिस्से में मौसम बदला हुआ है।

कहीं तेज आंधी-बारिश हो रही है तो कहीं ओले भी गिर रहे हैं। ग्वालियर में भिंड में शुक्रवार सुबह से तेज हवा के साथ बारिश हुई। बारिश का दौर सुबह करीब 6:30 बजे से शुरू हुआ।

इसके चलते शहर की बिजली बंद हुई। हालांकि, सुबह के समय होने वाली बारिश से तापमान भी कम हुआ है। इसके साथ ही मुरैना में भी तेज बारिश हुई।

हम सरकार को जवाबदेह ठहराने में दिन-रात एक कर देंगे: कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'कई लोगों की रातों की नींद हराम हो जाएगी वाले बयान के लिए पलटवार किया।

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्षी दल पहलगाम आतंकवादी हमले और जाति जनगणना जैसे मुद्दों के लिए सरकार को जवाबदेह ठहराता रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर की मौजूदगी में अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उद्घाटन के मौके पर उनकी (दोनों नेताओं की) मौजूदगी से कई लोगों की रातों की नींद हराम हो जाएगी।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद भी, हमारी सरकार वाश्तविक खतरे 'पाकिश्तान का सामना करने के बजाय विपक्षी नेताओं की नींद में खलल डालने पर अड़े हुए हैं। सरकार अदाणी को खुश करने में लगी है। उन्होंने कहा, जब सरकार ध्यान भटकाने में व्यश्त रहेगी, तब हम उसे जवाबदेह ठहराने में दिन-रात एक कर देंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा, हम आप पर जाति जनगणना के लिए समयसीमा निर्धारित करने, आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने तथा अंततः पाकिश्तान को वह मजबूत, निर्णायक जवाब देने के लिए लगातार दबाव डालेंगे जिसका वह हकदार है।

मोदी ने केरल के विझिनजाम बंदरगाह राष्ट्र को किया समर्पित

✷ वेबवार्ता. तिुवपंतपुरम ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को केरल में आठ हजार 900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का उद्घाटन किया। यह भारत का पहला मेगा ट्रांसशिपमेंट कंटेनर टर्मिनल है जो वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को मजबूत करेगा, रसद दक्षता को बढ़ाएगा और विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता को कम करेगा।

श्री मोदी ने बंदरगाह को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा,"यह बंदरगाह भारत के समुद्री बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।भारत के तटीय राज्य और हमारे बंदरगाह शहर विकसित भारत के लिए विकास के प्रमुख केंद्र बनेंगे।आने वाले वर्षों में ट्रांसशिपमेंट हब की क्षमता तीन गुना हो जाएगी, जिससे दुनिया के कुछ सबसे बड़े मालवाहक जहाजों का आसानी से आगमन हो सकेगा।"

उन्होंने बताया कि भारत के 75 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट ऑपरेशन पहले विदेशी बंदरगाहों पर किए जाते थे, जिससे देश को काफी राजस्व हानि होती थी। इस बात पर जोर देते हुए कि यह स्थिति अब बदलने वाली है, उन्होंने कहा कि भारत का पैसा अब भारत की सेवा करेगा और जो धन कभी देश से बाहर जाता था, वह अब केरल और विझिनजाम के लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा करेगा।

श्री मोदी ने टिप्पणी की कि औपनिवेशिक शासन से पहले भारत ने सदियों तक समृद्धि देखी, उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि एक समय में, भारत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में एक बड़ा हिस्सा रखता था।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उस युग के दौरान भारत को अन्य देशों से अलग करने वाली बात इसकी समुद्री क्षमता और इसके बंदरगाह शहरों की आर्थिक गतिविधि थी।यह देखते हुए कि केरल ने इस समुद्री ताकत और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने समुद्री व्यापार में केरल की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर देते हुए कहा कि अरब सागर के माध्यम से, भारत ने कई देशों के साथ व्यापार संबंध बनाए रखे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल से जहाज विभिन्न देशों में माल ले जाते हैं, जिससे यह वैश्विक वाणिज्य के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा, "आज, भारत सरकार आर्थिक शक्ति के इस चैनल को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।भारत के तटीय राज्य और बंदरगाह शहर एक विकसित भारत के विकास के लिए प्रमुख केंद्र बनेंगे"।

श्री मोदी ने कहा, "जब बुनियादी ढांचे और व्यापार करने में आसानी को एक साथ बढ़ावा दिया जाता है, तो बंदरगाह अर्थव्यवस्था अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच जाती है"। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, यह भारत सरकार की बंदरगाह और जलमार्ग नीति का खाका रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार ने औद्योगिक गतिविधियों और राज्यों के समग्र विकास के लिए प्रयासों में तेजी लाई है। उन्होंने कहा कि पीएम गति शक्ति के तहत जलमार्ग, रेलवे, राजमार्ग और वायुमार्ग को निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए तेजी से एकीकृत किया जा रहा है। व्यापार करने में आसानी के इन सुधारों से बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में अधिक निवेश हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने भारतीय नाविकों से संबंधित नियमों में भी सुधार किया है, जिसके महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में भारतीय नाविकों की संख्या 1.25 लाख से कम थी। आज यह आंकड़ा 3.25 लाख से अधिक हो गया है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि नाविकों की संख्या के मामले में भारत अब वैश्विक शतर पर शीर्ष तीन देशों में शुमार है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक दशक पहले जहाजों को बंदरगाहों पर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था, जिससे उतराई के काम में काफी देरी होती थी। श्री मोदी ने कहा कि इस मंदी ने व्यवसायों, उद्योगों और समग्र अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब स्थिति बदल गई है और पिछले 10 वर्षों में भारत के प्रमुख बंदरगाहों ने जहाज के लौटने के समय को 30प्रतिशत तक कम कर दिया है, जिससे परिचालन दक्षता में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि बंदरगाहों की दक्षता में वृद्धि के कारण भारत अब कम समय में अधिक माल की ढुलाई कर रहा है, जिससे देश की रसद और व्यापार क्षमताएं मजबूत हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत की समुद्री सफलता एक दशक लंबे विजन और प्रयास का परिणाम है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपने बंदरगाहों की क्षमता को दोगुना कर दिया है और अपने राष्ट्रीय जलमार्गों का आठ गुना विश्तार किया है।

श्री मोदी ने कहा कि आज, दो भारतीय बंदरगाह वैश्विक शीर्ष 30 बंदरगाहों में शामिल हैं, जबकि रसद प्रदर्शन सूचकांक पर भारत की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। भारत अब वैश्विक जहाज निर्माण में शीर्ष 20 देशों में शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के बाद, अब ध्यान वैश्विक व्यापार में भारत की रणनीतिक स्थिति की ओर स्थानांतरित हो गया है।

गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷

कप्तान शुभमन गिल (76), जॉस बटलर (64) और साई सुदर्शन (48) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात टाइटंस ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 51वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हरा दिया।

225 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। प्रसिद्ध कृष्णा ने चौथे ओवर में ट्रेविस हेड (20) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 10वें ओवर में गेराल्ड कोएत्जी ने इशान किशन (13) को आउटकर सनराइजर्स को दूसरा झटका दिया। 15वें ओवर में इशांत शर्मा ने अभिषेक शर्मा को आउटकर गुजरात टाइटंस को बड़ी सफलता दिलाई। अभिषेक शर्मा ने 41 गेंदों में चार चौके और छह छक्के लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। हाइनरिक क्लासन 18 गेंदों में (23) प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना शिकार बनाया। 17वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने अनिकेत वर्मा (तीन) और कामिंडु मेंडिस (शून्य) को आउट कर हैदराबाद की उम्मीदों को ध्वश्त कर दिया। गुजरात टाइटंस के गेंदबाजी आक्रमण के आगे सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज तेजी के साथ रन बनाने में विफल रहे। हालांकि नीतीश कुमार रेड्डी ने 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर कुछ समां बांधने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी और मुकाबला 38 रनों से हार गई। नीतीश कुमार रेड्डी ने 16 गेंदों में (नाबाद 21) और कप्तान पैट कमिंस ने 10 गेंदों में (नाबाद 19) रनों की पारी खेली।

गुजरात टाइटंस के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। इशांत शर्मा और गेराल्ड कोएत्जी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस के लिए कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़। सातवें ओवर में जीशान अंसारी ने साई सुदर्शन को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया।

आतंकवाद वैश्विक चुनौती, लोकतांत्रिक देश एकजुटता से करें साझी कार्रवाई : बिरला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आतंकवाद को राष्ट्रीय सीमाओं से परे वैश्विक चुनौती बताते हुए आज कहा कि इस समस्या को समाप्त करने के लिए शांति, सुरक्षा और विधि के शासन के प्रति साझी प्रतिबद्धता वाले सभी लोकतांत्रिक देशों को एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई करनी होगी।

श्री बिरला ने ये टिप्पणी आज संसद भवन परिसर में जापान के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर नुकागा फुकुशिरो के नेतृत्व में भारत यात्रा पर आए जापानी संसदीय शिष्टमंडल के साथ अपनी बैठक के दौरान की।

श्री बिरला ने कहा कि आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने और लोकतांत्रिक देशों के मूलभूत मूल्यों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के सम्मान और परस्पर विश्वास की भावना के साथ सामूहिक और कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

जापानी संसद के स्पीकर श्री नुकागा फुकुशिरो ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में जापान के समर्थन की पुष्टि की। श्री बिरला ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मामले में भारत के साथ खड़े रहने के लिए जापान के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, भारत और जापान की मित्रता विश्व में शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। श्री बिरला ने क्वाड, जी-20 और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भारत और जापान के बीच साझेदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के बारे में हमारी चिंताएँ और दृष्टिकोण एक समान है। श्री बिरला ने आगे कहा कि परस्पर सहयोग पर आधारित हमारे संबंध दोनों देशों के परस्पर लाभ और प्रगति के साथ ही इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि बदलते परिप्रेक्ष्य में इस मित्रता ने रणनीतिक और वैश्विक सहयोग का रूप ले लिया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात का उल्लेख किया कि भारत और जापान के बीच मित्रता सभ्यतागत संपर्कों, बौद्ध धर्म की साझी विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझी प्रतिबद्धता पर आधारित है।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हर साल बड़ी संख्या में जापानी पर्यटक और तीर्थयात्री भारत आते हैं और बौद्ध धर्म से जुड़े स्थानों की यात्रा करते हैं, जिससे दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध और मजबूत हो रहे हैं।

बुजुर्ग अतीत की कड़ी और भविष्य के मार्गदर्शक होते हैं: मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुजुर्गों को अतीत की कड़ी और भविष्य का मार्गदर्शक बताते हुए कहा है कि सभी को उनके मार्गदर्शन को महत्व देकर उनके बहुमूल्य सानिध्य का आनंद लेना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पहल - 'सम्मान के साथ वृद्धावस्था' नामक कार्यक्रम में भाग लिया।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण पोर्टल का शुभारंभ, वरिष्ठ नागरिक के लिए आवासों का वर्चुअल उद्घाटन, सहायक उपकरणों का वितरण और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा ब्रह्माकुमारी संगठन के बीच समझौता ज्ञापन पर हश्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है।

आमतौर पर परिवारों में देखा जाता है कि बच्चे अपने दादा-दादी के साथ बहुत सहज होते हैं। बुजुर्ग परिवार के लिए भावनात्मक श्तंभ की तरह काम करते हैं। जब बुजुर्ग अपने परिवार को फलते-फूलते देखते हैं तो वे भी शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक और भागदौड़ भरी जिंदगी में वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है। वरिष्ठ नागरिकों के पास जो अनुभव और ज्ञान है।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. गिरिजा व्यास का निधन, राजनीतिक जगत में शोक की लहर

उदयपुर, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास का निधन हो गया। उन्होंने अहमदाबाद के जाइडस अस्ताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस लीं। कुछ दिनों पहले, उदयपुर स्थित उनके निवास पर पूजा के दौरान अचानक साड़ी में आग लग गई थी, जिससे वे 90 प्रतिशत झुलस गईं। इस हादसे के बाद से उनका इलाज चल रहा था, लेकिन अंततः वे इस संघर्ष को हार गईं। डॉ. गिरिजा व्यास ने अपने जीवन में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे उदयपुर से विधायक और सांसद रही थीं। इसके अलावा, उन्होंने नरसिम्हा राव सरकार में केंद्रीय मंत्री के तौर पर भी अपनी सेवाएं दीं। यूपीए सरकार में उन्होंने महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाई। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष और महिला कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। डॉ. गिरिजा व्यास का निधन भारतीय राजनीति और समाज के लिए एक बड़ी क्षति है। उनके संघर्षपूर्ण जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। डॉ. व्यास दर्शन शास्त्र में पीएचडी थीं और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में बतौर प्रोफेसर रहीं। उदयपुर में शिल्पग्राम निर्माण, जयसमंद से पाइप लाइन समेत अन्य विकास कार्यों में उनका योगदान रहा। डॉ. गिरिजा व्यास के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर दुख जताते हुए लिखा-पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डॉ गिरिजा व्यास का निधन हम सबके लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ गिरिजा व्यास ने शिक्षा, राजनीति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में बड़ा योगदान था। उनका इस तरह एक हादसे का शिकार होकर असमय जाना हम सभी के लिए एक बड़ा आघात है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता हूं।

मुस्लिमों को टारगेट न करें; पहलगाम में मारे गए विनय नरवाल की पत्नी की अपील

करनाल, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नेवी के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने सभी से शांति की अपील की है। उन्होंने गुरुवार को लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की जयंती पर कहा कि हमें मुस्लिमों और कश्मीरियों को टारगेट नहीं करना चाहिए। हम शांति चाहते हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस हमले में शामिल लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। हिमांशी ने कहा, इस हमले में जो लोग शामिल हैं, इन्हें सख्त सजा दी जाए। लेकिन हमें मुस्लिमों और कश्मीरियों को टारगेट नहीं करना है। विनय की जयंती पर परिवार ने ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया था। आज यदि विनय नरवाल जीवित होते तो उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाता, लेकिन आज परिवार उनकी याद में जयंती मनाता दिखा। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। इस दौरान हिमांशी बेहद भावुक हो गईं। कैंप में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने रक्तदान किया। हिमांशी ने कहा कि मैं भी पति विनय नरवाल की ओर से दिखाए गए देशभक्ति के रास्ते पर आगे बढ़ूंगी। मुझे देश की सेवा करनी है। हिमांशी ने कहा, देशवासियों को विनय नरवाल के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। वह जहां भी हों, सुखी हों। हम आज यहां शोक व्यक्त करने के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं बल्कि हम उनकी देशभक्ति और जज्बे का सम्मान करने के लिए आए हैं। हिमांशी और विनय नरवाल की 16 अप्रैल को ही शादी हुई थी और फिर 19 तारीख को रिसेप्शन हुआ था। यह जोड़ा हनीमून पर पहलगाम घूमने गया था, जहां 22 अप्रैल को आतंकियों ने विनय नरवाल का कत्ल कर दिया। इस हमले में कुल 26 लोग मारे गए थे। आतंकियों ने विनय नरवाल समेत सभी लोगों का धर्म पूछकर कत्ल किया था। ब्लड डोनेशन कैंप में विनय नरवाल की बहन सृष्टि भी मौजूद थीं। सृष्टि ने कहा कि मैं यहां आए सभी लोगों का आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने हमारा साथ दिया है। उन्होंने कहा कि हम ब्लड डोनेशन कैंप इसलिए चला रहे हैं ताकि जिंदगियों को बचाया जा सके।

मुश्ताक ने सुनील बनकर रचाई शादी, रुद्रपुर की प्रेमिका का गला काटकर सिर नहर में फेंका; धर्मांतरण भी कराया

रुद्रपुर (खटीमा), एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रपुर में रहने वाली पूजा मंडल का उसके प्रमी से बेरहमी से उसका मर्डर कर दिया। हरियाणा के गुरुग्राम में लिव इन रिलेशन में रहते हुए मुश्ताक ने नाम बदलकर उसके साथ शादी रचाई। दूसरी लड़की को अपने प्रेमजाल में फंसाकर उसने शादी कर ली।

पूजा के दबाव बनाने पर उसका मर्डर कर दिया। सिर को धड़ से अलग कर नहर में फेंक मुश्ताक फरार हो गया था। पुलिस ने हत्यारोपी का गिरफ्तार कर लिया है। पांच महीने से लापता नानकमत्ता की 38 वर्षीय पूजा मंडल की उसके प्रेमी मुश्ताक ने नृशंस हत्या कर दी। बेरहमी से पूजा का गला काटकर उनका धड़ और शव अलग-अलग कट्टे में रखकर नहर में फेंक दिया। पूजा हरियाणा के गुरुग्राम में एक स्पा सेंटर में काम करती थीं और नवंबर 2024 से लापता थीं।

दिसंबर में उनकी बहन ने पूजा की गुमशुदगी दर्ज कराते हुए मुश्ताक पर शक जताया था। इसके बाद से पुलिस जांच में लगी थी। कुछ दिन पहले ही हरियाणा पुलिस ने मुश्ताक को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने सब उगल दिया। हरियाणा पुलिस ने खटीमा पुलिस की मदद से युवती का धड़ नहर से बरामद किया, जबकि सिर खबर लिखे जाने तक नहीं मिला था। मूलरूप से नानकमत्ता की बंगाली कॉलोनी की रहने वाली पूजा मंडल का 2019 में अपने

पति से तलाक हो गया था।

पूजा के दो बच्चे अपने पिता के साथ शक्तिफार्म में ही रहते हैं। इसके बाद पूजा स्पा सेंटर में काम करने के लिए गुरुग्राम चली गई। यहीं टैक्सी चालक सितारगंज निवासी मुश्ताक से उनकी मुलाकात हुई और एक ही राज्य और जिले के होने के कारण दोनों करीब आ गए। इसके बाद दोनों गुरुग्राम में करीब डेढ़ वर्ष तक लिव-इन-रिलेशनशिप में रहे और साल 2022 में दोनों ने शादी कर ली।

इधर, मुश्ताक ने पूजा को बगैर बताए किच्छा से दूसरी शादी भी कर ली। इसकी खबर जब पूजा को लगी तो नवंबर 2024 में यह मामला सितारगंज कोतवाली पहुंचा। तब पूजा ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि मुश्ताक ने पहचान छिपाकर उससे हिंदू रीति-रिवाज से विवाह किया है।

पूजा ने नवम्बर 2024 में पुलिस व जांच अफसरों को बताया था कि वर्ष 2022 में मुश्ताक ने अपने को सुनील यादव बताकर उनके साथ शादी की। बाद में उनका धर्मांतरण करवा दिया। दोनों के बालिग होने के कारण पुलिस ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की। बाद में पूजा मुश्ताक के साथ हरियाणा चली गई और कुछ दिन बाद ही लापता हो गई।

पूजा और मुश्ताक के बीच प्रेम संबंध की शुरुआत 2022 में रुद्रपुर में हुई। मुश्ताक चकरपुर कुटरी में पंक्चर की दुकान चलाता था। एक दिन रुद्रपुर में पूजा और मुश्ताक की मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे मुश्ताक ने पूजा से नजदीकी बढ़ा ली और दोनों गुरुग्राम चले गए। जहां पूजा एक स्पा सेंटर में काम करने लगी और मुश्ताक एक कैब चलाने लगा।

पुलिस का कहना है कि हरियाणा में रहने के दौरान दोनों आपस में मिलते रहते थे। मामले में नया मोड़ तब आया, जब मुश्ताक ने दो नवंबर 2024 को सितारगंज आकर किच्छा की लड़की से शादी कर ली। इसकी जानकारी जब पूजा को हुई तो वह इसको बर्दाश्त नहीं कर सकी। वह सितारगंज आ गई। पूजा के आने की तारीख आठ नवंबर के आसपास बताई जा रही है।

पूजा ने सितारगंज आने के बाद मुश्ताक के सामने शादी को लेकर काफी हंगामा किया। बताया जा रहा है कि इस मामले में दोनों के बीच पंचायत भी हुई, लेकिन पूजा जिस धोखे से गुजर रही थी, उसे वह बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी। पूजा के नहीं मानने पर मुश्ताक उसे रास्ते से हटाने का मन बना चुका था। इसलिए वह पूजा को इस्लामनगर निवासी अपनी बहन के यहां लेकर आया। पूजा को यहां लाकर भी समझाता रहा। रात के समय पूजा को घुमाने के बहाने कंजाबाग नदन्ना नहर की ओर लेकर आया। यहां पूजा का सिर धड़ से अलग कर शव को ठिकाने लगा दिया।

कोतवाल खटीमा मनोहर सिंह दसौनी ने बताया कि लड़की और आरोपी मुश्ताक के बीच प्रेम संबंध चल रहा था। वह शादी नहीं करना चाहता था। प्रकाश में यह आया है कि युवक ने एक अन्य युवती से विवाह कर लिया है। प्रेमिका के विरोध करने के कारण मुश्ताक ने उसकी हत्या कर दी। हरियाणा पुलिस चार माह से आरोपी की तलाश कर रही थी। -

पूजा की गला काटकर हत्या की गई थी। हत्या करने के बाद सिर को एक कट्टे में पत्थर और मिट्टी में भरकर नाले में फेंका गया, जबकि धड़ को एक चादर में लपेट कर कट्टे में भरकर नाले में फेंका गया। अंदाजा लग रहा है कि इस हत्याकांड में एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं।

पुलिस ने बताया कि पूजा की 19 दिसम्बर 2024 को थाना सेक्टर पांच गुरुग्राम हरियाणा में उसकी बहन प्रमिला विश्वास ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जबकि हत्यारोपी ने बताया कि उसने पूजा की हत्या 16 नवंबर की रात को कर दी थी। बुधवार को हरियााण पुलिस मुश्ताक को लेकर खटीमा पहुंची। निशानदेही पर ढाई बजे नाले से युवती का एक कट्टे में चादर में लिपटा सड़ा-गला धड़ बरामद किया।

मृतका पूजा के भाई असित विश्वास ने बताया कि उसकी बहन प्रमिला विश्वास ने ही 19 दिसंबर 2024 को बहुत प्रयास के बाद गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस हरियाणा में मुकदमा दर्ज नहीं कर रही थी। इस बीच वह अपनी बहन को बहुत जगह खोजते रहे। गुरुग्राम से दबाव बनने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

गाजियाबाद की 61 सोसाइटियों को नोटिस जारी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में भूजल (ग्राउंड वाटर) दोहन के लिए 61 सोसाइटियों को गुरुवार को नोटिस जारी किए गए हैं। भूजल विभाग ने इन सभी सोसाइटियों से 30 दिन में जवाब मांगा है।

जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की बैठक विकास भवन में सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में हुई। इसमें नगर निगम से सोसाइटियों में पानी की आपूर्ति की जानकारी ली गई, जिसमें बताया गया कि 61 सोसाइटी को भूजल दोहन पर नोटिस जारी किया गया है। इन सोसाइटियों को बनाने के दौरान पेयजल आपूर्ति का उचित इंतजाम नहीं किया गया, जिससे इन सोसाइटी में भूजल का उपयोग किया जा रहा है। यहां की पेयजल आपूर्ति भूजल दोहन पर ही टिकी है।

बैठक में निर्देश दिए गए कि इन सोसाइटियों में जलापूर्ति किस तरह से की जा सकती है, इसकी स्थिति स्पष्ट की जाए। बैठक में जिला भूगर्भ जल की नोडल सृष्टि जायसवाल, सहायक उपयुक्त रतिका गुप्ता, अधिशासी अभियंता (सिविल) प्रमोद कुमार शर्मा, अश कुमार, सीपी सिंह रावल, रेंज अधिकारी संजय कुमार, एनके पांडे, डाईड्रोलाजिस्ट अंकिता राय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अवैध आरओ प्लांट और कार धुलाई सेंटर को लेकर छह शिकायतें मिलीं।

यह मानवता के खिलाफ; पहलगाम हमले के बाद केंद्र के फैसले पर फारुख अब्दुल्ला ने जताई आपत्ति

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का आदेश दे दिया था। अब सरकार के इस आदेश पर जम्मू-कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता फारुख अब्दुल्ला ने आपत्ति जताई है। उन्होंने केंद्र सरकार के इस फैसले की आलोचना करते हुए इसे अमानवीय और मानवता के खिलाफ बताया है, खासतौर पर ऐसे मामलों के लिए, जिसमें लोग दशकों से भारत में शांति पूर्ण तरीके से रह रहे हैं।

मीडिया से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने दशकों से भारत में रह रहे नागरिकों के प्रति अपनी सहानुभूति जताई। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार द्वारा की गई यह कार्रवाई अच्छी नहीं है। यह मानवता के खिलाफ है। कई लोग हैं जो यहां पर 70 या 25 सालों से रह रहे हैं.. उनके बच्चे यहां पर ही हैं.. उन्होंने कभी भारत को नुकसान नहीं पहुंचाया.. हमेशा एक अच्छे नागरिक बनकर रहे हैं,

उन्होंने खुद ही अपने आप को भारत के हवाले किया है, ऐसे में उनको वापस भेज देना सही नहीं है।

अब्दुल्ला ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव पर भी अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि कल क्या होगा। आज, दो देश लड़ाई करने के लिए तैयार हो रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना होगा कि ऐसा न हो और उन्हें (आतंकवादियों को) और इस हमले के पीछे जो लोग हैं, उन्हें पकड़ने के लिए कोई सीधा रास्ता निकाला जा सके।इसी बीच एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 24 अप्रैल को सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को गाइडलाइन जारी की गई थी। इसके छह दिनों के अंदर अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से करीब 786 पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़ चुके हैं। इसी दौरान करीब 1376 भारतीय नागरिक भी पाकिस्तान से वापस अपने देश लौट आए हैं। हालांकि गुरुवार को डेडलाइन खत्म होने के बाद से ही पाकिस्तान की तरफ से सीमा को बंद कर दिया गया, जिसकी वजह से कई नागरिक बॉर्डर पर फंस गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक अटारी बॉर्डर पर फिलहाल 70 पाकिस्तानी नागरिक बैठे हुए हैं।

सीमा हैदर भारत के लिए बड़ा खतरा; पहलगाम हमले के बाद वकील का कश्मीर लिंक वाला दावा

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। पाकिस्तान से आई सीमा हैदर पहलगाम हमले के बाद से सुर्खियों में है। एक तरफ जहां उसने चुप्पी साध रखी है तो दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर बहुत से लोग उसे वापस पाकिस्तान भेजने की मांग कर रहे हैं। इस बीच सीमा के पहले पति गुलाम हैदर के भारतीय वकील मोमीन खान ने भी कई गंभीर आरोप लगाते हुए भारत सरकार से मांग की है कि उसे तुरंत पाकिस्तान वापस भेज दिया जाए। मोमीन ने सीमा हैदर का जम्मू-कश्मीर से कोई लिंक होने का भी दावा किया है।

मोमीन खान सीमा हैदर के चार बच्चों को वापस पाकिस्तान भेजने के लिए गुलाम हैदर की तरफ से कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब पर लाइव आकर कहा कि सीमा हैदर ने लिखी-लिखाई स्क्रिप्ट के जरिए विक्टिम कार्ड खेलती रही है। सीमा हैदर भारत के लिए बहुत बड़ा खतरा है, भारत की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है, नासूर है। उसको जितनी जल्दी हो भारत से डिपोर्ट किया जाए या उसकी जमानत खारिज करवाकर जेल में रखा जाए। भारत की सुरक्षा के लिए यह बहुत बड़ा कदम होगा। रही बात बच्चों की तो अदालत से 2024 में ही आदेश यूपी

सरकार को जा चुका है। यूपी सरकार उस आदेश को लागू करते हुए बच्चों को डिपोर्ट कराए। खान ने कहा कि सीमा भारतीय सिम का इस्तेमाल कर रही है और वॉट्सएप कॉल पर किससे बात करती है, इसकी जानकारी नहीं है।

मोमीन खान ने सीमा हैदर के मामले में जांच में लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच एसएचओ जेवर की ओर से की जा रही है जबकि एपी सिंह झूठा दावा करते हैं कि इस मामले की जांच एटीएस के पास है। खान ने कहा कि ना तो नेपाल जाकर जांच की गई और ना ही उन बस ड्राइवर कंडक्टर से पूछताछ की गई जो इन्हें लेकर आया था।

मोमीन खान ने कहा कि सीमा हैदर को किसी हालत में भारत की नागरिकता नहीं मिलेगी। आज नहीं तो 10 दिन बाद सीमा हैदर को वापस भेजना ही पड़ेगा। गुलाम हैदर के वकील ने सीमा के वकील एपी सिंह को निशान पर लेते हुए कहा कि उन्होंने ही पहलगाम हमले के बाद सीमा को चुप रहने को कहा है। मोमीन ने कहा कि सीमा को उसे एपी सिंह ने ही छिपाकर रखा है। खान ने कहा कि एक दिन सीमा हैदर पलटी मारेगी और एपी सिंह पर ऐसे आरोप लगाएगी कि उन्हें शर्मसार होना पड़ेगा। मोमीन खान ने कहा कि वह खुद को बचाने के लिए भारत माता की जय कहती है और कहती है कि मोदी जी से शरण मांग रही है। जब उसे डिपोर्ट किया जाएगा वह कहेगी कि मुझे बंदूक के साए में रखा जाता था। बच्चों के गले पर चाकू रखकर भारत के समर्थन में और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगवाए जाते थे। मोमीन खान ने एक अन्य वीडियो में सीमा हैदर के जम्मू-कश्मीर से कनेक्शन को लेकर दावा किया। उन्होंने कहा, 'सीमा हैदर भारत के लिए बड़ा खतरा है।

एनसीआर में आसमान पर पहुंचे जमीन के दाम, ग्रेटर नोएडा के 19 सेक्टरों में घर खरीदना सबसे अधिक महंगा

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। ग्रेटर नोएडा शहर में अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा और स्वर्णनगरी समेत 19 हाउसिंग सेक्टर में संपत्ति खरीदना सबसे अधिक महंगा हो गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने प्लॉटों की आवंटन दर 47,227 रुपये प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 49,588 रुपये प्रति वर्गमीटर कर दी है। इसका कार्यालय आदेश मंगलवार को जारी कर दिया गया। रेजिडेंशियल के साथ कॉमर्शियल और बिल्डर प्रोजेक्ट के लिहाज से ये सेक्टर लोगों की पहली पसंद बन चुके हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सबसे अधिक आवंटन दर ए श्रेणी में आने वाले इन्हीं सेक्टरों की है। कॉमर्शियल प्लॉट्स की आवंटन दर जहां 69,932 रुपये प्रति वर्गमीटर है, वहीं बिल्डर प्रोजेक्ट्स के लिए आवंटन दर 57,218 रुपये प्रति वर्गमीटर निर्धारित की गई है। सबसे कम आवंटन दर 33,481 रुपये सेक्टर-11, 17 और 20 की रखी गई है।

कार्यालय आदेश के मुताबिक बिल्डर प्रोजेक्ट के लिए अल्फा-1, 2, गामा-1, 2, बीटा-1, 2, डेल्टा-1, 2, 3, स्वर्णनगरी, सेक्टर-27, जीटा-1, सेक्टर-1, 2, 3, 4, 10, 12, 16, 16बी और 16सी में 57,218 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से आवंटन दर निर्धारित की गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपनी सभी तरह की संपत्तियों के आवंटन के लिए जो दरें निर्धारित हैं, उसका कार्यालय आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि बीते मार्च में हुई बोर्ड बैठक में आवासीय समेत सभी श्रेणी के प्लॉटों की आवंटन दरों में औसतन पांच फीसदी की वृद्धि की गई थी। इससे ग्रेटर नोएडा में मकान और दुकान खरीदना महंगा हो गया।

पहलगाम से ध्यान हटाने के लिए चला जाति जनगणना कार्ड

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अगली जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के केंद्र के फैसले का श्रेय कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिया है। राउत ने साथ ही दावा किया कि यह निर्णय पहलगाम आतंकवादी हमले से लोगों का ध्यान हटाने के लिए लिया गया है। राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जातिगत गणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले का समय संदिग्ध है, क्योंकि यह दक्षिणी कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के ठीक एक सप्ताह बाद लिया गया है।

राज्यसभा सदस्य ने दावा किया कि यह निर्णय लोगों का ध्यान भटकाने के लिए लिया गया है, जबकि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार 22 अप्रैल के हमले को लेकर सवालों का सामना कर रही है। सरकार ने बुधवार को फैसला किया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को ''पारदर्शी'' तरीके से शामिल किया जाएगा। केंद्र सरकार ने, साथ ही जाति आधारित सर्वेक्षण को ''राजनीतिक हथियार'' के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया।

जातिगत गणना सामाजिक न्याय से जुड़ा मुद्दा

आजादी के बाद पहली बार जाति विवरण को शामिल करने के इस प्रस्तावित कदम को भाजपा और उसके सहयोगियों ने वास्तव में न्यायसंगत और केंद्रित नीतियों को डिजाइन करने में मदद करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में सराहा है। यह निर्णय राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) द्वारा लिया गया। राउत ने इस बात पर जोर दिया कि जातिगत गणना सामाजिक न्याय से जुड़ा मुद्दा है।

वंचित समाज इसका श्रेय राहुल गांधी को दे रहा

उन्होंने कहा, ''बहुजन आबादी के लिहाज से यह फैसला महत्वपूर्ण है। भले ही कैबिनेट ने (जातिगत गणना पर) फैसला लिया हो, लेकिन जनता, देश, दलित, शोषित और वंचित समाज इसका श्रेय राहुल गांधी को दे रहा है।'' शिवसेना (उबाठा) सांसद ने बताया कि राहुल गांधी पिछले 10 वर्षों से लगातार जाति-आधारित जनगणना का मुद्दा उठाते रहे हैं।

पहले सर्वदलीय बैठक, फिर विशेष विधानसभा सत्र; पानी पर आर-पार के मूड में पंजाब की मान सरकार

चंडीगढ़, एजेंसी। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) द्वारा हरियाणा को अतिरिक्त 8,500 क्यूसेक पानी देने के फैसले के बाद पंजाब-हरियाणा के बीच जल विवाद और गहरा गया है। इस फैसले के विरोध में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार, 2 मई को सुबह 10 बजे एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जिसमें सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही, इस मुद्दे पर चर्चा के लिए 5 मई को पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र भी आयोजित किया जाएगा।

ये निर्णय आप के मंत्रियों, विधायकों और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेताओं की बैठक में लिए गए। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल हुए।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए आप की पंजाब इकाई के प्रमुख अमन अरोड़ा ने भाजपा नीत केंद्र सरकार की कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि वह पंजाब के प्राकृतिक संसाधनों के साथ लगातार विश्वासघात और शोषण कर रही है।

अरोड़ा ने कहा कि बीबीएमबी में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले और भाखड़ा व पौंग बांधों से जल वितरण को नियंत्रित करने वाले पंजाब को अपने पानी को हरियाणा की ओर अनुचित तरीके से मोड़ने के प्रयासों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, जिसे पहले से ही आवंटित 1,700 क्यूसेक के मुकाबले 4,700 क्यूसेक पानी मिल रहा है, अब पंजाब के उचित हिस्से की अतिरिक्त चोरी के प्रयास में है।

बीबीएमबी के फैसले पर पंजाब का कड़ा रुख: बीबीएमबी ने बुधवार देर रात अपनी तकनीकी समिति की पांच घंटे की बैठक में हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने का फैसला लिया, जिसका पंजाब सरकार ने कड़ा विरोध किया। पंजाब का दावा है कि हरियाणा ने अपनी आवंटित हिस्सेदारी का 103 प्रतिशत पानी पहले ही इस्तेमाल कर लिया है, जबकि पंजाब स्वयं पानी की कमी से जूझ रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस फैसले को पंजाब के अधिकारों की लूट करार देते हुए कहा कि उनकी सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने बीबीएमबी पर हरियाणा के हितों को प्राथमिकता देने और केंद्र सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

इस विवाद के बीच, पंजाब सरकार ने भाखड़ा नंगल डैम के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पंजाब पुलिस ने डैम पर भारी संख्या में बल तैनात किए हैं, और पानी के वितरण को नियंत्रित करने वाले कक्ष को बंद कर उसकी चाबी पुलिस को सौंप दी गई है। आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने राज्य भर में बीबीएमबी और केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए।

5 मई को कलेक्ट्रेट का घेराव करेगी राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले कार्यकर्ताओं द्वारा गांव गांव जाकर जनसंपर्क कर आगामी 5 मई 2025 को बिजनौर कलेक्ट्रेट का घिराव करने एवं महापंचायत का ऐलान किया है। गन्ना समिति का ब्याज दर 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत करने तथा गन्ना भुगतान न किए जाने आदि मांगों को लेकर। सभी किसानों से आगामी 5 मई को अधिक से अधिक संख्या में बिजनौर कलेक्ट्रेट पहुंचने का आह्वान किया। संगठन के सदस्यों ने ग्राम अम्हेडा पावटी रूश्तमपुर खैराबद मिठान धनौरी शादीपुर जलाऊदीपुर फरीदपुर सदीरन नसीरपुर नैन शेरपुर कल्याण आदि दर्जनों गांवों का दौरा किया। इस मौके पर प्रदेश महासचिव कैलाश लाम्बा जिला उपाध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह जिला कोषाध्यक्ष राकेश चौधरी घनश्याम सिंह विकास कुमार आदि दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना की ओर से टिटनेस के टीके लगाए गए

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगर के मुहल्ला अकाबरान स्थित इक़बाल मैमोरियल जूनियर हाईस्कूल में टीकाकरण अभियान के तहत आयोजित शिविर में टी–डी वैक्सीनेशन किया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना की ओर से आयोजित टीकाकरण के इस कैम्प में दस वर्ष से सोलह वर्ष तक के बीस बच्चों को डिप्थीरिया और टिटनेस के टीके लगाए गए।इस टीकाकरण कार्यक्रम को कुसुम शर्मा ए.एन.एम,बबीता आशा बहन द्वारा सम्पन्न करवाया गया।स्कूल प्रबंधक हसन जावेद ने इस टीकाकरण अभियान में अपने स्टाफ के साथ पूर्ण योगदान दिया।

सैफ मंसूरी बने ऑल इंडिया पसमांदा समाज के जिला अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷। नगर के मोहल्ला खुराड़ा निवासी यूथ लीडर सैफ मंसूरी पुत्र मरहूम फुरकान अहमद उर्फ पप्पू मंसूरी ऑल इंडिया पसमांदा समाज (गैर राजनैतिक संस्था) के बने बिजनौर के जिला अध्यक्ष। आपको बता दे ऑल इंडिया पसमांदा समाज (गैर राजनैतिक संस्था) के संरक्षक डॉक्टर आर ए उस्मानी पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक , एवं संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी सलाहउद्दीन मंसूरी , एवं प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश डॉक्टर शाकिर अली मंसूरी ने यूथ लीडर सैफ मंसूरी को बिजनौर जिले का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है ।सैफ मंसूरी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है। में पूरी मेहनत लगन के साथ ऑल इंडिया पसमांदा समाज को मजबूत करने का काम करूंगा। लोगों को ज्यादा से ज्यादा साथ जोड़ने का काम करूंगा। सैफ मंसूरी के जिला अध्यक्ष मनोनीत होने से उनके चाहने वालों में खुशी का माहौल है।

सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूल आधारित टीडी कैंपेन अभियान।

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अधीक्षक डॉक्टर बी के स्नेही ने बताया कि ब्लॉक स्योहारा में 20 सत्रों का आयोजन किया गया ।जिसमें सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों के 10, 16 साल के बच्चों को टीडी की वैक्सीन लगाई गई। ताकि बच्चों को जानलेवा घातक बीमारी टेटनस और डिप्थीरिया से बचाया जा सके। प्राइवेट और सरकारी स्कूलों द्वारा सहयोग किया जा रहा है। आज उनके द्वारा भी शहर स्थित आर एस पी कॉलेज स्योहारा ओर प्राथमिक विद्यालय खलीलपुर,पब्लिक इंटर कॉलेज सहसपुर का टीकाकरण सत्र का निरीक्षण किया गया और ग्रामीण क्षेत्र में भी स्कूलों को देखा गया। इस दौरान आर एस पी कॉलेज में प्रधानाचार्य मैडम श्रीमती मधुबाला शर्मा जी का पूरा सहयोग मिला उन्होंने लक्षित समूह के सभी बच्चों का टीडी टीकाकरण कराया। इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग की टीमों को पूरा सहयोग दिया । यहां पर ए एन एम श्रीमती अमृता गौरव, श्रीमती अर्चना त्यागी उपस्थित रही। निरीक्षण मेरे साथ हेल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार , एल एचबी आदेश कुमारी हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह और cho के द्वारा भी सत्रों का निरीक्षण किया गया।

स्कूलों में छात्र छात्राओं को लेकर जाने वाली स्कूल वैनों को लेकर प्रशासन की ओर से लगातार लापरवाही

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। स्कूलों में छात्र छात्राओं को लेकर जाने वाली स्कूल वैनों को लेकर प्रशासन की ओर से लगातार लापरवाही नजर आ रही है।लगता है कि किसी बड़े हादसे का इंतज़ार है।गौरतलब है कि नगर के सभी स्कूलों विशेषकर सेंटमैरी स्कूल में बहुत सी डग्गामार वैन लगी हुई है। लेकिन प्रशासन को नज़र नही आता है। स्कूल के निकट ग्राम क़स्बा कोटरा तिराहे पर रोज़ चेकिंग होती है जो अभिभावक स्कूल से बच्चों को दोपहिया वाहन ओर लेने जाते है उनके खूब चालान काटे जाते है लेकिन उनको स्कूल वैन नज़र नही आती जिसमे क्षमता से दुगुने बच्चे भरकर ढोये जाते है।स्कूल प्रशासन यह कह कर पल्ला झाड़ लेता है वैन से हमारा कोई लेना देना नही है। अभिभावक अपनी ज़म्मिेदारी पर बच्चों को भेजे। अपनी वैन लगाने को तैयार नही होता। मजबूरी में अभिभावकों को ऐसी वैन में भेजना पड़ता है। अभिभावक करे तो क्या करे या तो इन डग्गामार वैन से भेजे तो बच्चों की जान को खतरा। उधर हाईवे पर अंडरपास न होने पर सड़क पार करने में भी जान का खतरा बना रहता है। दोपहिया वाहन से जाए तो पुलिस परेशान करती है।

कंप्यूटर शिक्षा कार्यक्रम के लिए बुनियादी पाठ्यक्रम भी किया गया तैयार: डीएम

जिले के सभी सरकारी स्कूलों में 100% कंप्यूटर शिक्षा का प्रोजेक्ट शुरू, प्राथमिक स्कूलों में 2930 कंप्यूटर कराए जा चुके हैं उपलब्ध

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि आने वाला दशक और उसके आगे का समय मुख्य रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के वर्चस्व वाला होगा।

कंप्यूटर साक्षरता जीवन का अभिन्न हिस्सा बन जाएगी। जिसके दृष्टिगत नई पीढ़ी को इसके लिए तैयार रहना ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बिजनौर जिले के सभी सरकारी स्कूलों में 100% कंप्यूटर शिक्षा का प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसके अंतर्गत कंप्यूटर वितरण के लिए मापदंड तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 20-50 छात्रों के लिए 1 कंप्यूटर सेट, 50-100 छात्रों के लिए 2 कंप्यूटर सेट, 100-150 छात्रों के लिए 3 कंप्यूटर सेट तथा 150 से अधिक छात्रों के लिए 4 या उससे अधिक कंप्यूटर सेट विद्यालय में उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि कंप्यूटर वितरण के अलावा, कंप्यूटर शिक्षा कार्यक्रम के लिए एक बुनियादी पाठ्यक्रम भी तैयार किया गया है। इसकी निगरानी के लिए दो व्हाट्सएप समूह बनाए गए हैं, जिनमें सभी स्कूल प्रमुखों को जोड़ा गया है। इन समूहों में प्रतिदिन की कंप्यूटर कक्षाओं की जानकारी साझा की जाती है।

इसके अतिरिक्त, बिजनौर के निजी आईटी विशेषज्ञ, जो इस पहल में योगदान करना चाहते हैं, उन्हें भी इन समूहों में शामिल किया गया है ताकि वे शिक्षकों को मार्गदर्शन दे सकें।

उच्च प्राथमिक शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम डीआईईटी के माध्यम से आयोजित किया गया है, और शेष शिक्षकों को शीतकालीन अवकाश के बाद 4 दिन के कोर्स में प्रशिक्षित किया जाएगा।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जिला बिजनौर के ग्रामीण क्षेत्र में 1354 प्राथमिक, 375 उच्च प्राथमिक व 390 कम्पोजिट, इस प्रकार कुल 2119 विद्यालय संचालित हैं। प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा को बढ़ावा दिये जाने के दृष्टिगत 2930 कम्प्यूटर (474 कम्प्यूटर डोनेशन से व 2456 ग्राम पंचायतों के माध्यम से) उपलब्ध कराये गये हैं, जिनसे बच्चे कम्प्यूटर ज्ञान का लाभ अर्जित कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के 20 से अधिक छात्र संख्या वाले सभी प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालय कम्प्यूटर से संतृप्त हो चुके है।

जनपद में माध्यमिक शिक्षा के 14 राजकीय हाईस्कूल व 25 राजकीय इण्टर कॉलेज संचालित है, जिनमें से कम्प्यूटरविहीन 18 राजकीय हाईस्कूल व इण्टर कॉलेजों में छात्र संख्या के आधार पर 43 कम्प्यूटर डोनेशन के माध्यम से उपलब्ध कराये गये है, जिनसे बच्चे कम्प्यूटर ज्ञान अर्जित कर रहे है। वर्तमान में जनपद के सभी राजकीय हाईस्कूल व इण्टर कॉलेज कम्प्यूटर से संतृप्त हो चुके हैं।

श्रीमती कौर ने यह भी बताया कि जिला बिजनौर के 09 नगर क्षेत्रों में कुल 55 प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं, जिनमें छात्र संख्या के अनुसार 20 से अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में कुल 95 कम्प्यूटर की आवश्यकता है। इन विद्यालयों में सम्बन्धित नगर पालिकाओं / नगर पंचायतों के माध्यम से कम्प्यूटर की आपूर्ति सुनिश्चित करायी जा रही है।

नगरीय क्षेत्र के सभी प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों को आगामी 10 दिवस के अन्दर कम्प्यूटर से संतृप्त करा लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच कंप्यूटर का भय दूर करना और उन्हें कंप्यूटर का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

उन्होंने बताया कि इस पहल के उत्साहवर्धक परिणाम सामने आ रहे हैं जिसके अंतर्गत छात्रों की संख्या में इज़ाफा, छात्रों और शिक्षकों में उत्साह वृद्धि तथा कुछ स्कूलों में पहले ही बेसिक प्रोग्रामिंग भाषाओं जैसे पायथन, स्क्रैच आदि की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में, छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।

महिला अधिवक्ता को अगवा कर दुष्कर्म की धमकी दी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

व्हॉट्सऐप ग्रुप में एक व्यक्ति द्वारा महिला अधिवक्ता को अगवा कर दुष्कर्म की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता के अधिवक्ता पति ने गुरुवार को कविनगर थाने में शिकायत दी। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जिला न्यायालय में प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ता ने कविनगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि अमन शर्मा ने एक व्हॉट्सऐप ग्रुप बनाया हुआ है। इस ग्रुप में 258 से अधिक अधिवक्ता जुड़े हुए हैं। आरोप है कि अमन शर्मा पहले त्यागी, जाट तथा ब्राह्मण समाज को लेकर टिप्पणी तथा महिलाओं के लिए अशोभनीय शब्दों का इश्तेमाल कर रहा था, लेकिन अब वह अपहरण और जान से मारने की धमकी दे रहा है।

पीड़ित अधिवक्ता के मुताबिक 23 अप्रैल को भी अमन शर्मा ने उन्हें गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपी ने दिल्ली की कोर्ट में प्रेक्टिस करने वाली उनकी अधिवक्ता पत्नी को अगवा कर दुष्कर्म करने तथा जान से मारने की धमकी भी दी। इसके अलावा पर वह अंटी में पिस्टल लगी अपनी सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर लोगों में भय पैदा कर रहा है। पीड़ित का कहना है कि अमन शर्मा पर पूर्व में भी केस दर्ज हैं। उसके आचरण के चलते गाजियाबाद बार एसोसिएशन 23 अप्रैल 2024 को उसकी प्राथमिक सदस्यता रद्द कर चुकी है।

आरोपी की धमकियों से उनकी पत्नी दहशत में आ गई हैं, जो अपने कार्यस्थल पर भी नहीं जा रही हैं। पीड़ित अधिवक्ता ने एक मई को कविनगर थाने में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

बोर्ड उखाड़ सरकारी जमीन पर गेट लगाकर कब्जा किया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में गेट लगाकर सरकारी जमीन पर कब्जा करने का मामवला सामने आया है। आरोपी ने जमीन से सरकारी भूमि की सूचना का बोर्ड भी उखाड़ फेंका। इस संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

डूंडाहेड़ा क्षेत्र के लेखपाल निशांत त्यागी का कहना है कि अकबरपुर बहरामपुर में खसरा संख्या-68 में 0.3540 हेक्टेयर जमीन राज्य सरकार की घोषित है। इस जमीन पर अवैध कब्जे पर बेदखली हेतु कार्रवाई न्यायालय तहसीलदार के समक्ष विचाराधीन है।

लेखपाल के मुताबिक इस सरकारी जमीन पर जगमाल चौधरी द्वारा अवैध निर्माण कराया जा रहा था, जिसे राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर जाकर रूकवा दिया था।

इसके अलावा निगरानी के लिए क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में 14 फरवरी 2025 को प्रार्थना-पत्र भी दिया था। लेखपाल का कहना है कि एक मई को स्थलीय निरीक्षण करने पर पता चला कि जगमाल चौधरी ने सरकारी जमीन की सूचना का बोर्ड हटाकर वहां अपना गेट लगवा दिया। जगमाल चौधरी ने यह कार्य सरकारी जमीन कब्जाने की नीयत से किया है।

इस संबंध में लेखपाल ने एक मई को क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में शिकायत दी। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ सरकारी जमीन कब्जाने का मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

क्रिकेट की गेंद बुलेट पर लगने से दो पक्षों में मारपीट, नौ पर केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुरादनगर की पॉल कॉलोनी में क्रिकेट की गेंद बुलेट पर लग जाने पर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले व पत्थरबाजी हुई। इस संघर्ष में तीन युवक घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों के नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नगर की बह्मपुरी कॉलोनी निवासी विकास वर्मा,अपने साथियों के साथ पाल कॉलोनी में राणा फार्म हाउस के पास खाली पडे मैदान में गुरुवार शाम को क्रिकेट खेल रहे थे।

इसी बीच वहां से कैफ व समीर बुलेट पर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि गेंद बुलेट पर जा लगी। इस बात को लेकर दो पक्षों के बीख कहासुनी हो गई। कैफ ने फोन करके अपने साथियों को बुला लिया। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले व पत्थरबाजी हुई। इस संघर्ष में सौरभ पाल,विकास वर्मा व सारिम घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठी फटकार कर झगड़ा कर रहे युवकों को खदेड़ दिया।

डॉ भीमराव अंबेडकर की तुलना सपा मुखिया अखिलेश यादव से करने पर : भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भाजपा नेता रोहित रवि के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी द्वारा जारी एक पोस्टर जिसमें समाजवादी पार्टी द्वारा सपा मुखिया अखिलेश यादव की तुलना बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के साथ की गई है के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ व भाजपा नेता रोहित रवि ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर को दलित समाज भगवान की तरह पूजता है।

ऐसा कुकृत्य कर कर समाजवादी पार्टी ने न सिर्फ दलित समाज की भावनाएं आहत की हैं बल्कि इस देश के सभी गरीब, पिछड़े,वंचित, महिला किसान और नौजवान सभी का अपमान किया है। हम आज नगीना से सपा मुखिया अखिलेश यादव से मांग करते हैं। समाजवादी पार्टी के अंदर जिसने भी यह अपमानजनक कुकृत्य किया है के ऊपर कठोर कार्यवाही करें। देश की जनता से दलित समाज की भावनाएं आहत करने हेतु माफी मांगे। पूर्व विधायक सतीश गौतम ने कहा बाबा साहब भगवान की तरह कोई भी राजनेता उनका स्थान नहीं ले सकता।

प्रमोद चौहान ने कहा सपा द्वारा किया गया यह कार्य बेहद निंदनीय है।कार्यक्रम में सैकड़ो दलित समाज के लोगों सहित मुख्य रूप से पूर्व विधायक सतीश गौतम,जिला उपाध्यक्ष भाजपा प्रमोद चौहान, कार्यक्रम संयोजक रोहित रवि, मंडल अध्यक्ष सौरभ मित्तल,मंडल महामंत्री अरुण शर्मा,पंडित सचिन शर्मा, जिला महामंत्री अल्प संख्यक मोर्चा कयूम राइन, संतोष देवी, मिथलेश देवी, शीला देवी,मास्टर जयकरण सिंह, मास्टर राजकुमार, अमन कुमार, सीताराम सिंह, आकाश कुमार, नीरज कुमार, अमूल नंदा दीपक भाऊ, गोलू कुमार, गौतम कुमार, करण सिंह, ओमप्रकाश सिंह, राजकुमार सिंह, कमल कुमार छोटू कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सीएनजी गैस सिलेंडर से लदे कैंटर ने दो बाईको को लिया चपेट में, एक युवक घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

झालू चौराहे पर सीएनजी सिलेंडर से लदे एक कैंटर ने दो बाइकों को अपनी चपेट में ले लिया। जिसमें एक बाइक सवार घायल हो गया और एक बालक सहित तीन लोग बाल बाल बच गए।

भाग रहे कैंटर चालक को युवकों ने पीछा करते हुए हल्दौर चौराहा पुलिस चेक पोस्ट पर पकड़ लिया।मौके पर मौजूद पुलिस आरोपी कैंटर चालक को थाने ले गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सांय करीब सात बजे नहटौर के झालू चौराहे पर एक कैंटर सीएनजी सिलेंडर लेकर जा रहा था।

बताया जाता है कि उसने एक बाइक को झपक मार दी और भागते समय दूसरी एक अन्य बाइक को भी अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर मौजूद कुछ युवक कैंटर पर पीछा करते हुए पीछे से कैंटर पर चढ़ गए और शोर शराबा करते हुए उन्होंने हल्दौर चौराहा पर स्थित पुलिस चेक पोस्ट पर उसे रोक लिया। मौके पर मौजूद पुलिस कैंटर चालक को थाने ले गई। गांव अकबरपुर देवमल निवासी शुभम कुमार घायल हो गए।

उन्हें निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया है। जबकि दूसरी बाइक पर सवार प्रद्युमन व एक बालक और एक महिला कैंटर की चपेट में आने से बाल बाल बच गए। कस्बा इंचार्ज अशोक मलिक का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

किराने की दुकान पर शराब बेचने वाला दबोचा

एनसीआर टुडे. नोएडा। सेक्टर-20 और आबकारी विभाग की टीम ने गुरुवार रात किराना स्टोर की आड़ में शराब की तस्करी करने वाले तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से दिल्ली मार्का शराब और बीयर बरामद हुई। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग की टीम गुरुवार रात सेक्टर-20 थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी।

मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-27 स्थित किराना स्टोर की दुकान पर शराब बेची जा रही है। दुकानदार ने अवैध तरीके से शराब का भंडारण कर रखा है। इसके बाद आबकारी विभाग और सेक्टर-20 थाने की टीम सेक्टर-27 में फौजी वाली गली स्थित एक किराने की दुकान पर पहुंची। यहां शराब बेची जा रही थी। पुलिस ने तस्कर भोगी झा को दबोच लिया। उससे पास से 10 पव्वे रायल स्टैग ब्रांड अवैध विदेशी शराब, 24 कैन किंगफिशर अल्ट्रा मैक्स बियर और 12 कैन बीरा बूम बीयर बरामद हुई। पकड़ी गई शराब केवल दिल्ली में ब्रिकी के लिए थी। तस्कर के खिलाफ सेक्टर 20 थाने में आबकारी अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कराया गया है।

10 मई को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने 10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रभारी जनपद न्यायाधीश के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस लोक अदालत में विभिन्न श्तरों पर लंबित मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निश्तारण किया जाएगा।

इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए चिन्हित मामलों की सूची जारी की है, जिसमें न्यायालय श्तर, प्रशासनिक श्तर, राजस्व विभाग, नगर निकाय, पुलिस विभाग, बीएसएनएल, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित मामले शामिल हैं।

न्यायालय श्तर पर निश्तारण के लिए जिन मामलों को शामिल किया गया है, उनमें आपराधिक शमनीय मामले, एनआई एक्ट की धारा 138, बैंक वसूली मामले, मोटर दुर्घटना प्रतिकर के मुकदमे, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, पानी के बिल से संबंधित मामले (चोरी को छोड़कर), मध्यस्थता से जुड़े अन्य सिविल मामले आदि शामिल हैं।

प्रशासनिक श्तर पर राजस्व वाद, भरण-पोषण, सामान्य निवास प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र जैसे प्रकरणों का भी निश्तारण किया जाएगा। तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार के न्यायालयों में राजस्व संहिता की धारा 34 और 67 के तहत आने वाले दाखिल-खारिज एवं ग्राम सभा भूमि से बेदखली के मामलों का निपटारा किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर, बाल कल्याण संस्थाएं तथा महिला सहायता केंद्र घरेलू हिंसा, बाल संरक्षण, पेंशन लाभ, विभागीय योजनाओं से संबंधित शिकायतों का समाधान करेंगे। नगर निगम, नगर पंचायत, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, बीएसएनएल, बैंक, पुलिस विभाग, जिला पूर्ति कार्यालय हाउस टैक्स, वाटर टैक्स, अतिक्रमण, राशन कार्ड, टेलीफोन तथा ट्रैफिक चालान से संबंधित वादों का समाधान करेंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने जनपदवासियों से अपील की है कि लोग 10 मई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने लंबित मामलों का समाधान कराएं और इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं। यह अवसर न केवल त्वरित न्याय का माध्यम है, बल्कि आपसी सुलह-सफाई के जरिए समय, श्रम और धन की भी बचत करता है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से कार सवार दो दोस्त घायल, एक गंभीर

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में स्कॉर्पियो की टक्कर से कार सवार दो दोश्त घायल हो गए। पुलिस ने घायलों

को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां एक युवक वेंटिलेंटर पर जिंदगी-मौत से जूझ रहा है।

युवक की मां ने स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। शिप्रा सनसिटी सोसाइटी में रहने वाली वंदना शर्मा का कहना है कि 25 अप्रैल की शाम करीब साढ़े छह बजे उनका बेटा देवांश शर्मा अपने दोश्त गर्वित के साथ उसकी गाड़ी में बैठकर गया था।

देर रात तक वापस न आने पर देवांश का फोन मिलाया तो वह बंद मिला। वंदना शर्मा के मुताबिक रात करीब एक बजे उन्होंने देवांश का फोन मिलाया तो नंबर नहीं लगा।

इसके बाद उन्होंने अपने बड़े बेटे अंश से गर्वित को फोन मिलाने के लिए कहा। गर्वित को फोन मिलाया तो कॉल किसी पुलिसकर्मी ने रिसीव की। उन्होंने बताया कि क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में एनएच-नौ स्थित एबीईएस कॉलेज के पास गर्वित की गाड़ी का स्कॉर्पियो से एक्सीडेंट हो गया है।

पुलिस उनके बेटे और गर्वित को अस्पताल लेकर जा चुकी थी। वह आनन-फानन अस्पताल में पहुंचीं तो बेटे देवांश को वेंटिलेटर पर देखकर उनके होश उड़ गए। वंदना शर्मा का कहना है कि सिर में चेट आने के कारण उनके बेटे की गालत नाजुक बनी हुई है और वह वेंटिलेटर पर जिंदगी-मौत से जूझ रहा है।

घटना के संबंध में वंदना शर्मा ने एक मई को क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में शिकायत दी। एसीपी प्रियाश्री पाल का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है।

महिला अधिवक्ता को अगवा कर दुष्कर्म की धमकी दी

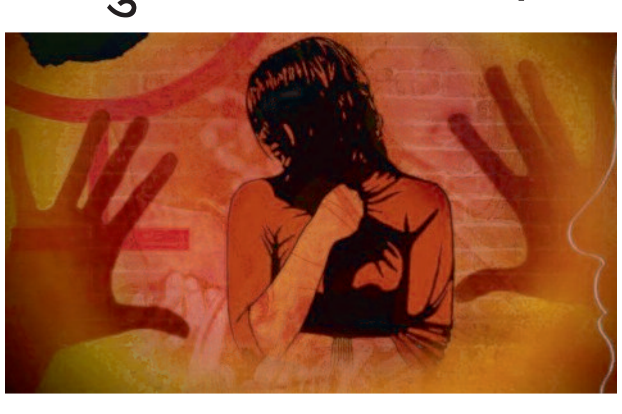

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

व्हॉट्सऐप ग्रुप में एक व्यक्ति द्वारा महिला अधिवक्ता को अगवा कर दुष्कर्म की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता के अधिवक्ता पति ने गुरुवार को कविनगर थाने में शिकायत दी।

पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जिला न्यायालय में प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ता ने कविनगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि अमन शर्मा ने एक व्हॉट्सऐप ग्रुप बनाया हुआ है।

इस ग्रुप में 258 से अधिक अधिवक्ता जुड़े हुए हैं। आरोप है कि अमन शर्मा पहले त्यागी, जाट तथा ब्राह्मण समाज को लेकर टिप्पणी तथा महिलाओं के लिए अशोभनीय शब्दों का इश्तेमाल कर रहा था, लेकिन अब वह अपहरण और जान से मारने की धमकी दे रहा है।

पीड़ित अधिवक्ता के मुताबिक 23 अप्रैल को भी अमन शर्मा ने उन्हें गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपी ने दिल्ली की कोर्ट में प्रेक्टिस करने वाली उनकी अधिवक्ता पत्नी को अगवा कर दुष्कर्म करने तथा जान से मारने की धमकी भी दी।

इसके अलावा पर वह अंटी में पिस्टल लगी अपनी सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर लोगों में भय पैदा कर रहा है। पीड़ित का कहना है कि अमन शर्मा पर पूर्व में भी केस दर्ज हैं।

उसके आचरण के चलते बार एसोसिएशन 23 अप्रैल 2024 को उसकी प्राथमिक सदस्यता रद्द कर चुकी है। आरोपी की धमकियों से उनकी पत्नी दहशत में आ गई हैं, जो अपने कार्यस्थल पर भी नहीं जा रही हैं। पीड़ित अधिवक्ता ने एक मई को कविनगर थाने में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं और भारी बारिश का कहर, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट, कई फ्लाइट्स पर पड़ा असर

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश और आंधी-तूफान को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। इस कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाली और यहां उतरने वाली कई फ्लाइट्स पर भी इसका असर पड़ा है। कई फ्लाइट्स को या तो रद्द कर दिया गया है या फिर उन्हें डायवर्ट किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ घंटों में उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी भारत के कई हिस्सों में तेज आंधी, बिजली गिरने और भारी बारिश की संभावना जताई गई है। विशेष रूप से उत्तर पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, दक्षिण गंगा तटीय पश्चिम बंगाल और उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश में खराब मौसम की चेतावनी दी गई है।

दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में तेज हवाओं के कारण कई इलाकों में पेड़ और बिजली के खंभे गिरने की खबरें आई हैं। सड़कों पर जलभराव के चलते ट्रैफिक भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे एनसीआर क्षेत्रों में भी बारिश के कारण जनजीवन अश्त-व्यश्त हो गया है। मौसम विभाग ने नागरिकों को घरों में सुरक्षित रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही, कमजोर संरचनाओं से दूर रहने और बिजली गिरने की आशंका के चलते खुले इलाकों में शेल्टर लेने से मना किया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह पश्चिमी विक्षोभ का असर है, जो इस समय उत्तर भारत के ऊपर सक्रिय है। इससे अगले 24 से 48 घंटों तक मौसम खराब रहने की संभावना है। सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग सतर्क हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नागरिकों को मौसम विभाग के अपडेट्स पर नजर बनाए रखने और एहतियात बरतने की अपील की गई है।

संपादकीय

जातिगत जनगणना : आगे की राह?

केन्द्र सरकार ने आखिरकार जातिगत जनगणना कराना स्वीकार कर लिया है। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नरेन्द्र मोदी सरकार ने ऐलान किया कि जनगणना के जरिये सरकार लोगों की जातिवार संख्या भी जुटायेगी। हालांकि इसकी घोषणा करते हुए कैबिनेट ने यह नहीं बताया कि यह काम कब शुरू होगा। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने यह मांग पिछले लगभग दो वर्षों से जोर-शोर से उठाई हुई थी जिसमें उसके नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन ने भी अपना स्वर मिलाया है।

इस मांग के कारण लगभग हाशिये पर जा चुकी कांग्रेस को भारतीय राजनीति में बड़े पैमाने पर लौटने का मौका मिला था। संविधान की रक्षा का जो नारा कांग्रेस समेत उसके सहयोगी प्रतिपक्षी दलों ने दिया था, उसने 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के संख्या बल को 2019 के मुकाबले काफी घटाया था। 2024 के प्रारम्भ में हुई राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की थीम भी जातिगत जनगणना की मांग को तर्कसंगत व ज़रूरी बताती थी।

इस मांग को राहुल ने सड़कों पर बड़े पैमाने पर उठाया था। उन्होंने बार-बार यह बात कही थी कि देश में दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, आदिवासियों आदि की संख्या सर्वाधिक है परन्तु संसाधनों एवं अवसरों में उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है। यह एक तरह से कांशीराम की उठाई वह मांग है जिसमें वे कहते थे कि 'जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी।' कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते राहुल को इस मांग को उठाते हुए कोई उज्र नहीं था कि यह बहुजन नेता की बात की ही प्रतिध्वनि है जिसकी वारिस मायावती इस मामले पर चुप्पी साधे हुई हैं।

वे लोगों को अपने भाषणों में बतलाते रहे हैं कि केन्द्रीय सचिवालय में केवल 5 ही सचिव श्तर के ऐसे अधिकारी हैं जो ओबीसी हैं। राहुल यह भी बतलाते रहे कि बजट के पांच प्रतिशत पर ही इनका नियंत्रण है। इसलिये ओबीसी, दलितों आदि के साथ न्याय नहीं होता।

उनके द्वारा संसद में भी यह मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया गया जिसे इंडिया के सहयोगियों, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल का जबर्दश्त साथ मिला। राहुल ने वर्तमान लोकसभा के प्रारम्भिक सत्रों में चेताया था कि विपक्ष सरकार से जाति आधारित जनगणना करा कर रहेगा। राहुल का कहना था कि 'भाजपा सरकार इस मांग को पूरा नहीं करेगी तो इंडिया सरकार करेगी।'

भाजपा की पूरी राजनीति ही इसके विपरीत है- सवर्णों को बल देने वाली। इसे लेकर राहुल का न केवल मज़ाक उड़ाया गया वरन उन्हें अपमानित भी किया गया था। पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन पर तंज कसा था कि, 'जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं वे जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।' भाजपा तथा उसके सहयोगी एनडीए के सांसदों ने इसका भरपूर लुत्फ़ उठाया था; परन्तु अब सरकार के इस एकतरफ़ा निर्णय से वे हैरान हैं क्योंकि वे नहीं जानते कि जनता को इस बात का क्या जवाब दें कि आखिर उनकी पार्टी की सरकार ने यह फैसला क्योंकर लिया जो अब तक इसकी विरोधी थी।

फैसले की हां में हां मिलाने के अलावा जिन पार्टी सदस्यों, समर्थकों, नेताओं, विधायकों व सांसदों के पास और कोई चारा नहीं है वे यह कहकर इसे 'मोदी का मास्टरस्ट्रोक' साबित करने पर तुले हैं कि 'इस फैसले ने राहुल, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के हाथ से बड़ा मुद्दा छीन लिया है।'इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कुछ सवाल सामने आ रहे हैं।

पहला यह कि नीतिगत विरोध के बावजूद भाजपा की क्या मजबूरी रही कि उसे यह फैसला लेना पड़ा? कुछ का कहना है कि पहलगाम के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिये भाजपा ने यह कदम उठाया है ताकि कश्मीर के मुद्दे पर उसकी विफलता ढंक जाये। यह भी कहा जाता है कि सरकार दुनिया को संदेश देना चाहती है कि आतंकी हमले के बावजूद सरकार देश के अंदरूनी मसलों पर ध्यान बनाये हुए है।

यानी देश का एक निर्भीक व अविचलित चेहरा वह दुनिया को दिखाना चाहती है। इस बड़े फैसले से दुनिया महसूस करे कि पहलगाम की घटना के बावजूद न घबराहट है, न बदहवासी- चाहे युद्ध की आशंका बन चुकी हो। यह भी माना जाता है कि बिहार में भाजपा इस मुद्दे को आगे बढ़ायेगी। वह केवल कांग्रेस तथा उसके साथी राजद व सीपीएम (माले) से ही नहीं, अपने सहयोगी नीतीश कुमार (जनता दल यूनाइटेड) से भी यह मुद्दा छीनना चाहती है। उस राज्य में खुद के बूते सरकार बनाने पर भाजपा आमादा है जहां इसी साल सितम्बर के बाद चुनाव होंगे।

दूसरा सवाल यह है कि इस मुद्दे को लेकर विपक्ष, विशेषतः कांग्रेस की आगे की राह क्या हो? कांग्रेस को इस बात से खुश होकर नहीं रह जाना चाहिये कि सरकार को यह निर्णय लेने हेतु मजबूर करने से उसकी नैतिक जीत हुई है। उससे बात नहीं बनेगी।

इसके बल पर उसे चुनाव भी जीतने होंगे। बिहार का चुनाव उसकी पहली परीक्षा होगी जहां से इस मांग की शुरुआत हुई थी। इस मुद्दे पर यहां कांग्रेस-राजद की जीत देश के लिये परिवर्तनकारी होगी। राहुल ने आरक्षण की 50 फीसदी की दीवार को तोड़ने का भी भरोसा जताया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस के पास इसका मॉडल पहले से है क्योंकि तेलंगाना व कर्नाटक में उसकी सरकारों ने जनगणना कराई है तथा बिहार में जेडीयू व कांग्रेस सरकार के समय यह काम हुआ था। राहुल को देश भर में यह संदेश देना होगा कि जातिगत जनगणना के फैसले पर कांग्रेस-इंडिया का पहला हक बनता है।

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

ललित गर्ग

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिश्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी।

मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चश्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया।

बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया।

2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गर्माया जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है।

वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है।

जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफ़ी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं।

भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं।

संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संवदेनशील मामला है और इसका इश्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं बल्कि पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। जाति जनगणना के आंकडे प्रश्तुत होने से राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी कितनी कम है, यह डर संभवतः भाजपा को सता रहा था। लेकिन भाजपा का यह डर या तो ख़त्म हो गया है, या फिर उसने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ लेने के लिए ये क़दम उठाया है। भाजपा इसके ख़िलाफ़ थी, उसने जातिगत जनगणना को देश को बांटने की कोशिश करने वाला बताया था। लेकिन एनडीए में शामिल भाजपा की ज्यादातर सहयोगी पार्टियां इसके पक्ष में हैं।

जातिगत जनगणना के आंकड़े 2026 या 2027 के अंत में आएंगे और तब तक बिहार और यूपी के चुनाव हो चुके होंगे। इसलिए इसका चुनावी लाभ लेने की बात सही नहीं है। वैसे भी भाजपा ने हाल के वर्षों में पिछड़ों और दलितों समुदाय को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की है।

भाजपा इस जातिगत गणना से ये भी दिखाना चाहती है कि पिछड़ों के एक-आध समुदाय को छोड़ दें तो ओबीसी समुदाय का बड़ा हिस्सा उसके साथ है। वैसे तो विभिन्न राजनीतिक दल अमुक-अमुक जातियों का नेतृत्व करने के लिए केवल जाने ही नहीं जाते, बल्कि ऐसा दावा भी करते हैं। इसलिये जाति आधारित जनगणना का लाभ है तो हानि भी है। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जातिगत जनगणना वंचितों-पिछड़ों के उत्थान में सहायक बने, लेकिन यदि वह विभाजन को बल देती है और देश की एकजुटता प्रभावित करती है तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं होगा। जनगणना के आंकड़े सरकार और जनता के लिए खुले और पारदर्शी होने चाहिए, ताकि सामाजिक संबंधों, आर्थिक अवसरों और राजनीतिक गतिशीलता की नई एवं समानतामूलक दिशाएं उद्घाटित हो सके और भारतीय समाज की विविधता की एक व्यापक सकारात्मक तस्वीर प्रश्तुत की जा सके।

कोई भी आंकड़ा तभी सराहनीय है, जब उससे विकास तेज करने में मदद मिलती हो, एक समतामूलक एवं संतुलित समाज की संरचना को बल मिलता हो।

पाकिस्तान के साथ निर्णायक युद्ध की घड़ी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पहलगाम पर पाकिश्तान द्वारा किए गए परोक्ष आक्रमण करते हुए कहा कि यह झगड़ा एक हजार साल से चला हुआ है। दोनों पक्षों को इसे सुलझाना चाहिए। बहुत से लोगों ने इसके लिए ट्रंप पर विपरीत टिप्पणियां कीं।

लेकिन लगता है ट्रंप ने जाने-अनजाने में इतिहास के एक बहुत बड़े तथ्य की ओर संकेत किया है। पाकिश्तान भारत के पश्चिमोत्तर का हिस्सा है। सन 712 में हिंदुश्तान पर अरबों का पहला हमला इसी क्षेत्र के सिंध प्रदेश पर हुआ था। सरल शब्दों में कहना हो तो आज के कराची शहर पर हुआ था। आज 2025 तक आते-आते उस हमले को हुए लगभग 1300 साल हो गए हैं।

उसके बाद इस क्षेत्र में कभी शांति नहीं हो सकी। सन 1000 के आसपास तुर्कों ने इसी सप्त सिंधु क्षेत्र पर हमले करके इसे इस्लाम के घेरे में लाना शुरू किया था। पांच सौ साल तक यह दुखांत अबाध रूप से चलता रहा। लेकिन इन पांच सौ साल में हिंदुश्तान के पश्चिमोत्तर की बहुत सी जनसंख्या को डरा धमका कर या लालच से इस्लाम पंथ या शिया पंथ में मतांतरित कर दिया गया।

संघर्ष और विरोध भी होता रहा। सन 1500 के आसपास मुगलों ने हल्ला बोल दिया। उनके काल में तो 'इस्लाम में आ जाओ या फिर मरने की तैयारी करो' का माहौल बनने लगा। लेकिन विरोध भी उतना ही तीखा होने लगा। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोबिंद सिंह जी तक की दशगुरु परंपरा इसी काल में शुरू हुई थी। लेकिन अब तक भारत का बहुत बड़ा हिस्सा मसलन बलूचिश्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश और पंजाब का बहुत बड़ा हिस्सा इस्लाम पंथ को ग्रहण कर चुका था।

अठारहवीं सदी में भारत पर अंग्रेजों का कब्जा हो गया। वे बीसवीं शताब्दी के मध्य में देश से तो चले गए, लेकिन जाने से पहले पश्चिमोत्तर भारत या सप्त सिंधु क्षेत्र के उस हिस्से को जो पिछले हजार साल में इस्लाम की चपेट में आ चुका था, पाकिश्तान नाम देकर भारत से अलग कर गए। उसके बाद अरबों, तुर्कों या मुगलों को हिंदुश्तान पर हमला करने की जरूरत नहीं पड़ी या फिर उनमें अब उतनी हिम्मत नहीं रही थी, लेकिन उनका यह काम भारत के ही उस हिस्से ने संभाल लिया जिसे अंग्रेज इस्लाम के आधार पर अलग करके गए थे। उसके बाद पाकिश्तान द्वारा 1947-48, 1965, 1971 में किए गए हमलों और उसके बाद कारगिल युद्ध को देखा जा सकता है।

कारगिल के बाद तो अब तक आतंकवाद के रूप में यह युद्ध निरंतर चल रहा है। ट्रंप ने सही कहा है कि यह लड़ाई हजार-पंद्रह सौ साल से चली हुई है। अंतर केवल इतना ही है कि पहले हमले अरब, तुर्क या मुगल करते थे, लेकिन अब उनमें भारत पर हमले करने की हिम्मत तो नहीं बची है या फिर उन्हें शायद इसकी जरूरत भी नहीं है।

अलबत्ता अब अपने ही वे लोग जिन्होंने इस कालखंड में इस्लाम ग्रहण कर लिया था, जब भारत पर हमला करते हैं तो तुर्क उनकी मदद पर आ जाते हैं। तुर्की इस समय यही कर रहा है। लेकिन अब मुख्य प्रश्न यही है कि क्या पंद्रह सौ साल से चली आ रही इस लड़ाई को खत्म करने का वक्त आ गया है? यह सवाल इसलिए भी जोर पकड़ रहा है क्योंकि इस समय देश में प्रधानमंत्री के पद पर नरेंद्र मोदी हैं और देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

भारतीय जनता पार्टी अपने जनसंघ काल से ही इस लंबी लड़ाई को निर्णायक रूप से खत्म करने के पक्ष में रही है। कुछ तथाकथित विद्वान इसकी व्याख्या यह कह कर करते हैं कि भारतीय जनता पार्टी इस्लाम पंथ और शिया पंथ के खिलाफ है। भाजपा किसी के खिलाफ नहीं है, वह भारत के पक्ष में है।

भाजपा यह मानती है कि इस देश में भगवान की पूजा के हजारों तरीके हैं, उनमें नमाज पढ़ कर ईश्वर की आराधना भी एक है। इसी प्रकार ईश्वर के नाम भी अनेक हैं, उनमें से अल्लाह भी एक है। इसलिए विरोध का तो प्रश्न ही नहीं है। अलबत्ता भगवान की पूजा करने के जितने तरीके हैं, उन सभी के आधार पर देश के उतने टुकड़े नहीं किए जा सकते।

पाकिस्तान नाम का टुकड़ा इसी आधार पर देश से अलग किया गया था। यह आधार ही गलत था। भाजपा मानती है कि यह घृणित कार्य साम्राज्यवादी यूरोपीय ताकतों ने किया था, जिन्हें भारत को कमजोर रखने के लिए इसकी जरूरत थी। पाकिश्तान के एक मंत्री ने तो सार्वजनिक रूप से यह मान ही लिया है कि हम पिछले चालीस साल से ब्रिटेन-अमेरिका के कहने से भारत के खिलाफ यह गंदा काम कर रहे हैं।

पाकिश्तान के इन गंदे कामों के कारण ही भारत में यह मांग उठ रही है कि हजार-पंद्रह सौ साल से चले आ रहे इस युद्ध को समाप्त करने का सही समय आ गया है। इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं। पाकिश्तान में भी बलूचिश्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश से यह मांग उठ रही है।

यह सब इलाके पाकिश्तान में नहीं बने रहना चाहते। लेकिन भारत के अंदर इस संभावित निर्णायक युद्ध के समय क्या स्थिति है, इस पर चर्चा करने से पहले मुझे बाबा साहिब अंबेडकर का संविधान सभा की अंतिम बैठक में दिया गया ऐतिहासिक भाषण याद आ रहा है।

बाबा साहिब ने कहा था, 'मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध पर चढ़ाई के समय राजा दाहिर सेन के सैन्य कमांडरों ने मुहम्मद बिन कासिम के एजेंटों से रिश्वत ले ली और अपने स्वयं के राजा के पक्ष में लडऩे से मना कर दिया। वह जयचंद ही था जिसने भारत पर आक्रमण करने और पृथ्वीराज चौहान से लडऩे के लिए मुहम्मद गौरी को भारत में आमंत्रित किया और उससे स्वयं सोलंकी राजाओं के साथ उसकी सहायता करने का वादा किया।

जब शिवाजी हिंदुओं की मुक्ति के लिए लड़ रहे थे, तो कई अन्य मराठा राजवंश और राजपूत राजा मुगल सम्राटों के साथ मिलकर उनके खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। – क्या इतिहास स्वयं को दोहराएगा? यह ऐसा विचार है जो मुझे चिंतित करता है। यह चिंता इस तथ्य के बोध से और अधिक गहरी हो जाती है कि 'जाति' और 'पंथ' के रूप में हमारे पुराने शत्रुओं के अतिरिक्त, अब हमारा साथ बहुत से राजनीतिक दलों व उनके विविध एवं विरोधी राजनीतिक पंथों के साथ भी जुडऩे जा रहा है।

क्या भारतीय अपने देश को अपने पंथ से ऊपर रखेंगे या वे देश के ऊपर पंथ स्थापित करेंगे? मुझे नहीं पता। लेकिन यह बहुत निश्चित है कि यदि इन राजनीतिक दलों ने देश से ऊपर पंथ रखा, तो हमारी स्वतंत्रता को दूसरी बार संकट में डाल दिया जाएगा और संभवतः यह हमेशा के लिए खो जाएगी। इस परिस्थिति में हम सभी को दृढ़ता से हमारे रक्त की आखिरी बूंद के साथ हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए।'

बाबा साहिब इसको लेकर चिंतित थे। उनकी चिंता जायज थी। आज इस निर्णायक घड़ी में देश की सबसे पुरानी पार्टी, जिसने 1947 में पाकिश्तान बनने से पहले की अपनी कार्यकारिणी की अंतिम बैठक में भारत के विभाजन और पाकिश्तान के निर्माण के पक्ष में प्रश्ताव पारित किया था, जिस प्रकार का व्यवहार कर रही है, वह चिंता पैदा करता है।

कांग्रेस के इन वरिष्ठ और कनिष्ठ जनों के बयानों को पाकिश्तान का मीडिया सबसे ज्यादा भारत के विरोध में प्रयोग कर रहा है। लेकिन अभी देखना होगा कि ये लोग भारत के भविष्य की इस अंतिम निर्णायक लड़ाई में कितनी दूर तक पाकिश्तान को सहायता पहुंचाने वाली 'सिर तन से गायब' वाली तस्वीरों का उत्पादन करते हैं। बहरहाल, भारतीय सेना निर्णायक लड़ाई की तैयारी में लगी है।

जातिगत जनगणना से सामाजिक-आर्थिक नीतियों को मिलेगी गति

सुनील कुमार महला

हाल ही में केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने की बात कही है। पाठकों को बताता चलूं कि विपक्षी दल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल समेत कई विपक्षी दल लगातार देश में जाति जनगणना की लगातार मांग करते रहे हैं और अब सरकार ने जाति जनगणना कराने का एक बड़ा और साहसिक कदम उठाया है।

इस संबंध में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजनीतिक मामलों पर कैबिनेट कमेटी की बैठक में लिए गए सरकार के इस फ़ैसले की जानकारी देते हुए यह बात कही है कि जातियों की गिनती जनगणना के साथ की जाएगी। गौरतलब है कि 'जनगणना' केंद्र का विषय(संविधान के अनुच्छेद 246 के अनुसार) है और अब सरकार ने जाति जनगणना का जो फैसला किया है,वह काबिले-तारीफ इसलिए है क्यों कि इससे यह पता चल सकेगा कि देश के विभिन्न संसाधनों में दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक और ग़रीब सामान्य वर्ग के लोगों की कितनी और किस कदर हिस्सेदारी है।

संक्षेप में कहें तो जाति जनगणना समाज के अंतिम आदमी के कल्याण का जरिया बन सकेगी। पाठकों को बताता चलूं कि विपक्ष ने सरकार के इस फैसले का पूरा समर्थन व स्वागत किया है, लेकिन विपक्ष ने सरकार को इसकी टाइमलाइन बताने की भी कि इस जातिगत जनगणना का काम कब तक पूरा हो पाएगा, की बात भी साथ ही साथ कही है। यहां यह बात गौरतलब है कि भारत में इससे पहले वर्ष 1931 में जाति जनगणना हुई थी, और उसके बाद देश में होने वाली जनगणनाओं में कभी जातियों की गिनती नहीं की गई थी। गौरतलब है कि जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है, लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं, इसकी गिनती नहीं होती है।

पाठकों को बताता चलूं कि अक्सर यह माना जाता है कि देश की कुल आबादी में लगभग 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं तथा ओबीसी समुदाय के नेताओं का यह मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफ़ी कम है। इस संबंध में विश्लेषकों का यह भी कहना है कि राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत आज भी विविधतापूर्ण देश है और यहां अनेक जातियों और धर्मों के लोग निवास करते हैं।

हमारे देश में तो युगों युगों से जाति सामाजिक संरचना का एक अहम व महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अब केंद्र द्वारा घोषित जातीय जनगणना विभिन्न जातियों के(ओबीसी , दलित, पिछड़े आदिवासी और अल्पसंख्यकों) के वाश्तविक आंकड़ों और प्रतिनिधित्व की स्थिति को दर्शा सकेगी। सच तो यह है कि जाति जनगणना आने वाले समय में हमारे देश में आरक्षण व्यवस्था और न्यायिक समीक्षा के संदर्भ में नीति-निर्धारण के लिए एक ठोस व मजबूत आधार बन सकती है।

यहां यह बात दीगर है कि स्वतंत्रता के बाद से जातिगत जनगणना को 1931 के बाद से नियमित रूप से नहीं किया गया है, केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंकड़े ही एकत्र किए जाते रहे हैं।

हालांकि, 1951 में स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना के समय तत्कालीन सरकार ने अनुसूचित जातियों और जनजातियों को छोड़कर अन्य जातियों की गणना नहीं कराने का निर्णय लिया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूपीए सरकार के दौरान 2011 की जनगणना में जाति जनगणना हुई थी, लेकिन इसकी रिपोर्ट आम जनता के सामने नहीं आ सकी थी।कहना चाहूंगा कि जातिगत आंकड़ों का अभाव विभिन्न नीति-निर्माण में एक बड़ी बाधा रहा है, साथ ही इसने आरक्षण, विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं और संसाधनों के वितरण में कई दफा असमानता को और गहरा ही किया है।

यहां यह कहना भी ग़लत नहीं होगा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित जातीय जनगणना आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की 50% वाली व्यवस्था वाली बहस को एक नया मोड़ दे सकती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 1992 के इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की पीठ ने यह बात कही थी कि आरक्षण की सीमा 50% से अधिक नहीं होनी चाहिए, अब केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना की बात से इस बहस को कहीं न कहीं नया मोड़ मिल सकेगा।

बहरहाल , यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आरक्षण के मामले में हालांकि, माननीय कोर्ट ने ओबीसी के लिए 27% आरक्षण(मंडल आयोग) को मंजूरी दी, लेकिन साथ ही क्रीमी लेयर को इससे बाहर करने और असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर कुल आरक्षण सीमा पर रोक भी लगाई थी।इसके बाद भी कई बार केंद्र और राज्यों द्वारा इस सीमा से ऊपर आरक्षण देने की कोशिशें की गईं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हर बार आंकड़ों और तथ्यों की मांग करते हुए इन्हें खारिज कर दिया। मसलन, सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2014 में जाट समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल करने की यूपीए सरकार की कोशिश को खारिज कर दिया।

बहरहाल,जानकारों का यह मानना है कि अगर जातिगत गणना हुई तो ओबीसी को 27 फीसदी कोटा बढ़ाने की मांग उठेगी। पाठकों को बताता चलूं कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को वर्ष 2019 में केंद्र के 10 फीसदी आरक्षण देने के बाद से ही इसकी लगातार मांग की जा रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठा आरक्षण बढ़ाने के कानून को भी सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था, क्योंकि इससे 50% आरक्षण की सीमा पार हो रही थी। बहरहाल, पिछले कुछ सालों से देश में जातिगत जनगणना विपक्षी दलों की एक प्रमुख और अहम् मांग रही है।

पाठकों को बताता चलूं कि बिहार में महागठबंधन की सरकार के दौरान वर्ष 2023 में जातिगत सर्वे के आंकड़े जारी किए गए थे। उस वक्त नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू और आरजेडी की राज्य में सरकार थी। उल्लेखनीय है कि बिहार के 2023 के सर्वे के अनुसार, ओबीसी और अत्यंत पिछड़े वर्ग (ईबीसी) राज्य की कुल आबादी का 63% से अधिक हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि बाद में तेलंगाना और कर्नाटक जैसे कुछ गैर बीजेपी शासित राज्यों में जाति आधारित सर्वे भी कराए गए हैं। वाश्तव में बिहार के 2023 के जातिगत सर्वेक्षण के मुद्दे के बाद विपक्ष केंद्र पर इसे(जातीय जनगणना) राष्ट्रीय श्तर पर लागू करने का दबाव बना रहा था।हाल फिलहाल , मोदी सरकार ने इस मांग को स्वीकार कर लिया है और विपक्षी दलों को शान्त कर दिया है।

बिहार एक जातिप्रधान राज्य है, जहां इसी वर्ष विधानसभा भी चुनाव होने हैं, ऐसे में केंद्र सरकार का यह निर्णय एनडीए के लिए रणनीतिक फायदे की स्थिति भी बना सकता है।हालांकि, यह बात अलग है कि जातिगत जनगणना का महत्व केवल राजनीतिक लाभ तक ही सीमित नहीं है, सरकार के इस निर्णय से कहीं न कहीं सामाजिक न्याय की भावना को बल मिल सकेगा, वहीं दूसरी ओर इससे समावेशी विकास भी सुनिश्चित हो सकेगा।जातीय जनगणना से यह भी पता चल सकेगा कि विभिन्न जातीय समूहों की सामाजिक आर्थिक स्थिति क्या और कैसी है।

समाज के जातिगत ढांचे के बारे में जानकारी प्राप्त होने से इन जातीय समूहों के उत्थान और विकास के लिए रणनीतियां तैयार की जा सकती हैं, लेकिन जातीय जनगणना कराना कोई आसान काम नहीं होगा, यह एक हरक्यूलियन टास्क होगा, क्यों कि भारत जातियों की विविधता वाला देश है और यहां हजारों जातियां-उपजातियां निवास करतीं हैं। यहां पर यदि हम आंकड़ों की बात करें तो 1901 की जनगणना से पता चला कि भारत में 1646 जातियां हैं। तथा 1931 की जनगणना होने तक यह संख्या 4147 जातियों तक पहुंच गई।

उसके मुकाबले अब अकेले ओबीसी में हजारों जातियां हैं। 1980 में मंडल आयोग ने बताया था कि उसने 3428 जातियों की पहचान ओबीसी के रूप में की थी। वर्ष 2011 के एसईसीसी में राष्ट्रीय श्तर पर 46 लाख जातियों, उपजातियों का आंकड़ा बहुत बड़ा पाया गया था।

इतना ही नहीं,राष्ट्रीय और राज्यों के श्तर पर जातियों के मामले में बहुत घालमेल है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार ओबीसी की सेंट्रल लिस्ट में जहां करीब ढाई हजार जातियां हैं, वहीं राज्यों के श्तर पर ओबीसी में 3 हजार से ज्यादा जातियां हैं। कई ऐसी जातियां हैं, जो स्टेट ओबीसी लिस्ट में हैं, लेकिन सेंट्रल ओबीसी लिस्ट में नहीं हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि जातीय जनगणना एक बड़ा व टेढ़ा काम है।

जातीय आंकड़े एकत्र करने के लिए एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी तंत्र की जरूरत होगी, और जातिगत जनगणना को लागू करना भी इतना आसान नहीं होगा। जातीय जनगणना के बाद सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इन आंकड़ों का(जातीय जनगणना के आंकड़ों का) सदुपयोग हो। अंत में यही कहूंगा कि केंद्र सरकार का जातिगत जनगणना कराने का फैसला एक महत्वपूर्ण व बड़ा कदम है।

निश्चित ही इससे देश में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिल सकेगी।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

23 मई को राम मंदिर के प्रथम तल पर होगी राम दरबार की स्थापना, दर्शन के लिए जारी होंगे 50 पास

लखनऊ , एजेंसी। भवन निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक शुरु हो गई है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्य मंदिर के प्रथम तल में राम दरबार की प्रतिमा और शेषा अवतार मंदिर की प्रतिमाएं आनी शेष है।

23 मई को राम दरबार की प्रतिमा राम मंदिर गर्भगृह में स्थापित की जाएगी। 30 मई से पहले शेषा अवतार मंदिर में भी लक्ष्मण जी की प्रतिमा को स्थापित कर दिया जाएगा। 3 जून से राम मंदिर में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा शुरु होगी। तीन से पांच जून तक प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव होगा। राम दरबार में श्रद्धालुओं के दर्शन की तिथि ट्रस्ट तय करेगा। पास के जरिए एक दिन में 750 श्रद्धालु राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार का दर्शन कर सकेंगे। प्रति घंटे 50 पास जारी किए जाएंगे। पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर पास जारी होगा।

उन्होंने कहा कि शुरुआती 3 महीने में मंदिर का लोड फैक्टर चेक किया जाएगा। रुड़की के वैज्ञानिकों के द्वारा मंदिर के मापदंड को देखते हुए प्रति घंटे 50 श्रद्धालुओं को ऊपर जाने की अनुमति दी गई है। बताया कि राम मंदिर में 10 सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर पत्थरों के मूवमेंट की जानकारी देते हैं। भूकंप में भी सेंसर पहले ही संकेत करते हैं। सेंसर के जरिए तीन माह में मंदिर पर पड़ने वाले लोड का अध्ययन किया जाएगा। राम मंदिर की बाउंड्री और ऑडिटोरियम को छोड़कर मंदिर परिसर में सभी निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरे हो जाएंगे।

आगरा में दिनदहाड़े स्वर्णकार की गोली मारकर हत्या, एक्टिवा से आए हमलावर

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र के कारगिल चौराहे पर बालाजी ज्वेलर्स की दुकान में बदमाशों ने धावा बोल दिया। यहां से सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। इस दौरान सराफ भी बदमाशों से भिड़ गए। बदमाशों ने तमंचे से सराफ को गोली मार दी। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सराफ को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिकंदरा थाना क्षेत्र के रामा एंक्लेव निवासी योगेश चौधरी की कारगिल चौराहे के पास बालाजी ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। सुबह 10ः00 बजे उनके कर्मचारी रेनू ने दुकान खोली थी। इसके 15 मिनट बाद ही दो नकाबपोश बदमाश मौके पर आ गए। कर्मचारी रेनू को तमंचा दिखाकर बैग में सोने चांदी के जेवरात रखकर भागने लगे। इस दौरान दुकान मालिक योगेश चौधरी आ गए। उन्होंने बदमाशों को टोक दिया। इस पर एक बदमाश ने तमंचा निकालकर गोली मार दी। इसके बाद एक्टिवा पर सवार होकर फरार हो गए। पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

मुठभेड़ में लुटेरा घायल, पुलिस पर फायरिंग का किया प्रयास, बिजली कर्मचारियों से कई थी लूटपाट

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के परीक्षितगढ़ पुलिस ने मुठभेड़ में एक आरोपी पैर में पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ है। बताया गया कि पुलिस द्वारा बिजली के तार की लूट के मुकदमे में माल की बरामदगी कराने के लिए जाते समय अभियुक्त द्वारा छिपाए हुए तमंचे से पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। शातिर अपराधी बिलाल को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है। कब्जे से तार काटने की आरी, तमंचा, कारतूस व घटना में प्रयुक्त पिक-अप वाहन व हाईटेंशन तार बरामद किए है। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि 24 अप्रैल को रात्रि में अहमदपुरी में बिजली की साइट से दो मजदूरों से मारपीट कर कुछ बदमाश बिजली का हाईटेंशन वायर लूट ले गए थे ।

तराई... बुंदेलखंड व पश्चिमी यूपी के जिलों में बारिश, वज्रपात और ओले गिरने का भी पूर्वानुमान

झूम कर बरसे बदरा, तीन घंटे हुई झमाझम बारिश, जनजीवन प्रभावित

मेरठ , एजेंसी । पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इन दिनों मौसम बदला हुआ है । मेरठ में आज सुबह सवेरे तेज आंधी के साथ शुरू हुई बारिश का दौर करीब तीन घंटे तक लगातार चलता रहा । बारिश के चलते हाईवे से लेकर शहर तक जगह–जगह जल भराव हो गया7 तेज हवा के साथ बदरा झमाझम बरसाते रहे । सुबह के समय अंधेरा छा गया और हाईवे पर भी लाइट जलाकर वाहन स्वामियों को चलना पड़ा । वहीं मेरठ के अलावा आसपास के जिलों में भी जमकर बारिश हुई है । वेस्ट यूपी में मौसम विभाग ने दो दिन पहले ही बारिश और तेज आंधी तूफान का अलर्ट जारी कर दिया था । शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे तेज आंधी और बारिश के साथ मौसम बदल गया । देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हो गई । हवा के झोंके के साथ मौसम में नमी बढ़ गई और गर्मी का असर खत्म हो गया । करीब तीन घंटे तक झमाझम बारिश से मौसम ने फिर से एक बार करवट बदल ली । बारिश के चलते जहां जनजीवन प्रभावित हो गया वहीं लोगों को गर्मी से भी राहत मिली है । मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर यूपी शाही का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते तेज आंधी और बारिश से मौसम बदला है और तापमान में भी गिरावट आई है । यह बारिश प्रदूषण को भी साफ करेगी और तापमान को भी कम कर देगी जिस कारण से लोगों को गर्मी से राहत रहेगी । साथ ही फसलों के लिए भी यह बारिश अच्छी होगी । अगर पछेते गेहूं की फसल खेत में खड़ी होगी तो वहां पर थोड़ा नुकसान होने के आसार हैं । अभी शनिवार तक मौसम के ऐसे ही रहने की संभावना बनी हुई है ।

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में तेज हवाओं संग बूंदाबांदी का दौर जारी है। शुक्रवार को दिल्ली से सटे जिलों और तराई के इलाकों में गरज-चमक संग बूंदाबांदी देखने को मिली। बुंदेलखंड के इलाकों समेत सहारनपुर, लखीमपुर खीरी से लेकर हरदोई तक हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। वहीं लखनऊ में भी सुबह से बादल छाए रहे। झोंकेदार हवाओं के साथ मौसम में नमी बनी हुई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पूर्वा और पश्चिमी हवाओं का समागम और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ शनिवार से पूरे प्रदेश को अपने दायरे में लेगा। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमीयुक्त हवाओं का भी प्रभाव है। इसके असर से प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी दोनों संभाग में हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिलेगी। इस दौरान कुछ जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार धूल भरी हवाएं चलने की भी संभावना है। बारिश और हवाओं के असर से अधितम तापमान में थोड़ी गिरावट के आसार हैं।

लखनऊ में बूंदाबांदी के आसार

लखनऊ में बीते चार दिनों में अधिकतम पारे ने लगभग 8 डिग्री सेल्सियस का गोता लगाया है जो सामान्य से लगभग 5 डिग्री नीचे रहा । मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार को लखनऊ में बादलों की आवाजाही रहेगी । गरज–चमक के साथ तेज झोंकेदार हवाएं चलेंगी । बूंदाबांदी की भी संभावना है ।

खुद को बताता था पूर्व केंद्रीय मंत्री के पीए का करीबी, नौकरी के नाम पर करोड़ों की ठगी

कानपुर , एजेंसी। सरकारी विभाग में नौकरियां निकली हैं। केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान का पीए हमारा करीबी है। उससे एक बार कह देंगे तो, जितनी चाहोगे नौकरी लग जाएगी। हर नौकरी का आठ लाख रुपये लगेगा। कुछ इसी अंदाज में लोगों को अपनी बातों में फंसा करोड़ों की ठगी करने वाले शातिर रितेश सिंह को साइबर क्राइम पुलिस ने झारखंड के बोकारो से गिरफ्तार किया है। वह वहां के अपार्टमेंट में रह रहा था।

उस पर चकेरी थाने में 50 लाख ठगी के तीन मामले दर्ज हैं। उसकी चार साल से तलाश थी। देहली सुजानपुर के भवानीनगर क्षेत्र के चन्द्रमा प्रसाद सिंह के अनुसार अगस्त 2018 में उनके दामाद का दोस्त रितेश सिंह और उसका साथी न्यू आजाद नगर निवासी विनोद कुमार सिंह उनके घर आए। दोनों ने बातचीत के दौरान कहा कि मंत्री कोटे से कुछ नौकरियां निकलीं हैं।

आठ लाख के हिसाब से 24 लाख का खर्च बताया: मंत्री राम विलास पासवान के पीए से उनके काफी अच्छे संबंध हैं। उनसे कहकर आसानी से नौकरियां लगवाई जा सकती है। उन्होंने दो बेटियों आकांक्षा व पारुल और भांजे अमित कुमार चौधरी की नौकरी की बात की तो आरोपियों ने आठ लाख के हिसाब से 24 लाख रुपये का खर्च बताया। उनकी बात पर भरोसा कर अलग-अलग तारीखों में 20 लाख रुपये बताए हुए खातों में ट्रांसफर कर दिए, जबकि शेष चार लाख रुपये नियुक्ति पत्र मिलने के समय देना तय हुआ।

साक्षात्कार को बुलाया दिल्ली, फर्जी निकला नियुक्ति पत्र: चन्द्रमा प्रसाद के अनुसार रितेश और विनोद ने 15 अक्तूबर 2018 को दोनों बेटियों और भांजे को दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार के लिए दिल्ली बुलाया। वहां तीस हजारी एफसीआई कैंपस के कार्यालय में दस्तावेज जमा करवाए। कुछ दिन बाद डाक से तीन पत्र आए। उनके दिए दिल्ली के पते पर नियुक्ति के लिए जब तीनों पहुंचे, तो वहां ऐसा कोई कार्यालय मिला ही नहीं। ठगी का अहसास होने पर उनसे रुपये वापस मांगे तो उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

सेना में भी नौकरी का झांसा देकर की थी ठगी : केडीए कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार के अनुसार अगस्त 2018 में दोस्त प्रवीन कुमार ने बताया कि उसके कुछ रिश्तेदारों की सरकारी नौकरी लगने की बात चल रही है । उनके परिचित विनोद कुमार सिंह व रितेश कुमार केंद्रीय मंत्री के पीए के करीबी हैं और नौकरी लगवा रहे हैं । उनसे मुलाकात हुई तो उन लोगों ने आठ लाख रुपये मांगे । उनके बताए खातों में रुपये ट्रांसफर करने के बाद उन्हें साक्षात्कार के बाद जो ज्वॉइनिंग लेटर मिला वह फर्जी निकला । बाद में पता चला आरोपियों ने इसी तरह कई लोगों से लाखों की ठगी की है ।

अपार्टमेंट के सामने बैठकर की रेकी तब पकड़ा: साइबर क्राइम टीम के अनुसार आरोपी रितेश सिंह के खिलाफ 2021 में चकेरी थाने में कई रिपोर्ट दर्ज हुईं थीं । इसकी विवेचना टीम को मिली थी । पीड़ितों ने आरोपियों के फोटोग्राफ, मोबाइल नंबर उपलब्ध कराए थे । मोबाइल नंबर पहले स्विच ऑफ रहे । बाद में पहुंच से बाहर बताने लगे । कॉल डिटेल निकाली गई, तो उनमें से कुछ नंबर संदिग्ध पाए गए । ट्रेस होने से पहले ही शातिरों ने उनका इस्तेमाल बंद कर दिया था ।

बोकारो स्थित अपार्टमेंट में रहने की जानकारी हुई: उन नंबरों के बंद होने से पहले उनकी लोकेशन झारखंड के जामताड़ा और उसके आसपास की निकली। 15 अप्रैल को टीम वहां पहुंची, लेकिन उनकी सटीक लोकेशन नहीं मिल सकी। एक इंस्पेक्टर के वहां के परिचित दरोगा ने वहां के मुखबिरों को इस काम में लगाया, जिस पर आरोपी के बोकारो स्थित अपार्टमेंट में रहने की जानकारी हुई । वह आठवीं मंजिल पर रह रहा था ।

आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा: पुलिस ने अपार्टमेंट के सामने चोखा–बाटी की दुकान पर डेरा जमाया । वहां के लोगों से पता चला कि वह बाहर गया है, जबकि परिवार अपार्टमेंट में हैं । उसके आने का इंतजार किया गया । सात दिन बाद सुबह जब वह दूध लेने नीचे आया तो उसे दबोच लिया । एडीसीपी क्राइम अंजली विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है । इंस्पेक्टर अनिल के नेतृत्व में टीम ने उसे पकड़ा है । वह चार साल से वांछित था ।

मायावती बोलीं- बसपा ही ओबीसी की हितैषी, बहुजन कल्याण के लिए भाजपा-कांग्रेस पर भरोसा करना घातक

लखनऊ, एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि ओबीसी समाज का हित बसपा में ही सुरक्षित है और बसपा ही ओबीसी समाज की सच्ची हितैषी है। बहुजनों को अपने हित व कल्याण के लिए भाजपा व कांग्रेस पर भरोसा करना घातक है। उन्होंने कहा कि काफी लम्बे समय तक ना-ना करने के बाद अब केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा इसका श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़ लगी है जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित व वंचित है।

वैसे भी कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर का आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मिशन सफल होता हुआ जरूर दिखता।

लेकिन बाबा साहेब एवं बसपा के अनवरत संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरुक है तो दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए ललायित इन पार्टियों में इनका हितैषी दिखने की स्वार्थ व मजबूरी है, अर्थात् स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बसपा में ही निहित है, अन्यत्र नहीं।

अतः वोट हमारा राज तुम्हारा-नहीं चलेगा के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े होने का समय करीब है जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक तथा भाजपा व कांग्रेस आदि पार्टियों पर दलित, ओबीसी समेत बहुजन-हित, कल्याण व उत्थान हेतु भरोसा करना ठीक नहीं है। बता दें कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने की घोषणा कर दी है। इस मुद्दे का कांग्रेस सहित सभी दलों ने स्वागत किया है।

गोरखपुर में भाई-बहन की मौत के बाद...मां ने भी तोड़ा दम- 10 वर्ष पहले पिता का भी उठ चुका है साया

गोरखपुर , एजेंसी। हरपुर-बुदहट थाना क्षेत्र के कूचडेहरि गांव में मां के डांटने से नाराज मोहित कन्नौजिया (18) ने बुधवार को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। बेटे को फंदे से लटका देख उसकी मां और फिर 14 वर्षीय बहन ने भी जहर (सल्फास) खा लिया था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मां-बेटी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान युवक की बहन सुप्रिया (14) की शाम को मौत गई। जबकि, मां कौशिल्या की मौत बृहस्पतिवार की सुबह मेडिकल कॉलेज में हो गई। इस घटना के बाद अब परिवार में सिर्फ बुजूर्ग बाबा बचे हैं।

मोहित के बाबा हरिलाल (72) ने बताया कि वो बुधवार को पशु चराने गए थे। लौटे तो दरवाजे पर भीड़ देखकर सहम गए। घटना सुनते ही जमीन पर बैठ गए। वह रोते हुए कह रहे थे कि पता होता तो मैं कभी नहीं जाता। सुप्रिया और मोहित ही मेरे लिए सहारा थे। दिन भर सुप्रिया मेरी सेवा करती थी।

बेटे की मौत 10 साल पहले हो चुकी है। पहले बेटे को कंधा दिया, अब पोते-पोती कंधा देना पड़ेगा। यह पता होता तो पहले ही अपना गला घोंट लेता। मेरी तो समझ में ही नहीं आ रहा है कि अचानक एक ही दिन में क्या हो गया। 10 दिन पहले ही अहमदाबाद से मोहित घर आया था।

अधिवक्ता के घर पर तोड़फोड़ व पथराव, दो नामजद समेत 20 से 25 लोगों पर केस दर्ज

वाराणसी , एजेंसी । वाराणसी जिले में अधिवक्ता के घर पर तोड़फोड़ व पथराव के मामले में दो नामजद सहित 20 से 25 लोगों के खिलाफ संगीन धाराओं में कैंट में मुकदमा दर्ज किया गया है । पीड़ित अधिवक्ता ने मामले को लेकर परिवार के लिए सुरक्षा की गुहार लगाई है । उधर, अधिवक्ताओं में घर पर हुई तोड़फोड़ और महिलाओं से दुर्व्यवहार को लेकर आक्रोश का माहौल है ।
महादेव नगर कलोनी अनौला निवासी अधिवक्ता अशोक कुमार सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गुरुवार की दोपहर में वह कोर्ट में थे । इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि राधेश्याम चौबे उनके साले व 20–25 अज्ञात व्यक्तियों के साथ घर पर चढ़ कर आए और बाउंड्री को तोड़ने की कोशिश करने लगे । कुछ लोग पत्थर से गेट पर मारने लगे । आरोप लगाया कि कुछ लोग घर के बाउंड्री पर चढ़कर मौजूद महिलाओं को गाली देते हुए अश्लील इशारा करने लगे । साथ ही जान से मारने की धमकी दे रहे थे । पेशे से अधिवक्ता होने के कारण उस समय वह कोर्ट में मौजूद थे और घर में सिर्फ महिलाएं व बच्चे मौजूद थे । घटना से घर में बृद्ध मां व पत्नी और बच्चे डरे सहमे हुए हैं । घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज व तमाम साक्ष्य पुलिस को देते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की । मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो नामजद सहित 20–25 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और विधिक कार्यवाही में जुट गई है ।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी लईक कालिया गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

बरेली , एजेंसी । बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार सुबह गांव फरीदापुर जागीर के खेत में पशु तस्करों को घेर लिया । पशु तस्करों ने फायरिंग की तो जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई । पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी पशु तस्कर लईक उर्फ कालिया दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया । कालिया भोजीपुरा के ही अलीनगर गांव का निवासी है और काफी समय से गोकशी के मामलों में वांछित था । पुलिस ने घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार किया तो उसके कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा व चार कारतूस बरामद हुए । साथ ही पशु कटान के औजार, रस्सी व एक बाइक भी मिली जिस पर कोई नंबर नहीं था । दूसरा आरोपी सलीम उर्फ कालिया पुत्र बड़े लल्ला निवासी गांव भूडा थाना भोजीपुरा मौके से भाग गया । एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने आरोपी लईक की गिरफ्तारी के बाद वीडियो बयान जारी कर बताया कि लईक पर पहले से आठ मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से सात गोकशी व एक मुकदमा गैंगस्टर अधिनियम का पंजीकृत है ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले पूर्व कप्तान कपिल देव, शिष्टाचार भेंट की

लखनऊ , एजेंसी। भारत के महान ऑलराउंडर कपिल देव ने शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए सीएम योगी के एक्स अकाउंट पर बताया गया है कि प्रख्यात क्रिकेट खिलाड़ी एवं 1983 की विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव जी ने आज लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। कपिल देव ने भारत की तरफ से 131 टेस्ट मैच और 225 वनडे मैचों में प्रतिनिधित्व किया। उनकी गिनती भारत के महानतम खिलाड़ियों में होती है।

मां को लाऊंगा हिंदुस्तान... उनके बिना सब अधूरा...

पाकिस्तान जाने वाली इरम के बेटे और बेटी का ऐसा है हाल

बरेली , एजेंसी। बरेली की बहू इरम की पाकिस्तान वापसी से बिहारीपुर निवासी उनका 15 साल का बेटा शाहनूर बेचैन है। उसकी सात साल की बेटी आयजा का भी यही हाल है। दोनों बच्चे पिता और परिजनों के पास हैं। खाने-पीने की कोई कमी नहीं है, पर मां के बिना सब अधूरा लगता है।

बात करने पर शाहनूर ने कहा कि बड़े होकर मां को हिंदुस्तान लाएंगे। मां के जाने से मन नहीं लग रहा है। जब भी मौका मिलेगा, वह मां से मिलने पाकिस्तान जाएगा। सात साल की बेटी आयजा भी पल-पल मां को याद कर रही है। वह बहुत देर बाद बोलने के लिए शब्द जुटा सकी।

कहा कि जब उसने साथ जाने की बात कही तो मां ने समझाया था कि मेरी बच्ची, कुछ मजबूरी है। तुम लोग मेरे साथ नहीं चल सकते। तब हम दोनों रो पड़े थे। फिर मां ने कहा कि खुदा कभी न कभी उन्हें जरूर मिलाएगा।

इरम ने कहा था हिंदुस्तान के लिए धड़केगा दिल: इरम के परिजनों के मुताबिक, वह हिंदुस्तान की सरहद पार करके अटारी के रास्ते पाकिस्तान जा चुकी हैं। फिलहाल, उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। परिजनों के मुताबिक, बरेली छोड़ते वक्त भी इरम बहुत भावुक थीं। उसने कहा था कि वह भले ही पाकिस्तान में रहेंगी, पर उनका दिल हमेशा हिंदुस्तान के लिए धड़कता रहेगा। बच्चे हमेशा याद आएंगे। उसने भारत की सरजमीं को चूमकर सरहद पार किया था। कहा था कि यह सरजमीं मेरे बच्चों को पनाह देगी।

जानते हैं इरम की कहानी : लाहौर की निस्तार कॉलोनी में पैदा हुई इरम के पिता मजाहिल हुसैन लाहौर के मशहूर डॉक्टर हैं। मजाहिल हुसैन की बहन का निकाह बरेली में हुआ था। इस लिहाज से बुआ ने ही भतीजी इरम के लिए बिहारीपुर निवासी अथर से रिश्ते की बात चलाई। आठ अप्रैल 2008 को इरम का निकाह मोहम्मद अथर से किया गया। इरम की शादी के करीब 15 साल तक सब ठीक चला।

इरम के मुताबिक 11 जून 2024 को शौहर ने उसे रातभर पीटा और तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। चूंकि भारत में तब तीन तलाक पर नया कानून आ गया था तो इरम ने 18 जून 2024 को कोतवाली में पति मोहम्मद अथर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस के प्रयास से उसी मकान में इरम को एक कमरा मिल गया।

सितंबर में कर लिया था भारत छोड़ने का फैसला: इरम के मुताबिक ससुरालवालों के रवैये को देखकर उसने सितंबर 2024 में ही भारत छोड़ने का फैसला कर लिया। चूंकि वह मुकदमा चलने के दौरान देश नहीं छोड़ सकती थी तो उसने पुलिस को मुकदमा वापस लेने का पत्र दिया।

बोल्ट के टी20 में 300 विकेट पूरे, ऐसा करने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे गेंदबाज बने

जयपुर, एजेंसी। मुंबई इंडियंसके तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने टी20 में 300 विकेट पूरे हो गए हैं। बोल्ट ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी टीम के इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच के दौरान पावरप्ले में विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपनी नई फॉर्म जारी रखी, हालांकि उन्होंने कुछ रन भी लुटाए। बोल्ट ने 2.1 ओवर में 12.90 की इकॉनमी रेट से 28 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उन्होंने दूसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल के खिलाफ दो छक्के खाए, लेकिन कीवी ने जल्द ही फॉर्म में चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज के स्टंप उखाड़कर उन्हें पवेलियन भेज दिया। चौथे ओवर में नितीश राणा और राजस्थान के स्टैंड-इन

कप्तान रियान पराग ने 35 वर्षीय खिलाड़ी का मुकाबला करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने पुल करने की कोशिश में नितीश का विकेट ले लिया, लेकिन तिलक वर्मा ने कैच कर लिया। उन्होंने पारी का अंतिम विकेट जोफ्रा आर्चर का लिया, जिसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कैच किया। अब 257 टी20 में बोल्ट ने 25.10 की औसत से 302 विकेट लिए हैं जिसमें 4/13 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और 8.05 की इकॉनमी रेट शामिल है। वह टिम साउथी (343 विकेट), ईश सोढ़ी (310 विकेट) के बाद 300 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे गेंदबाज हैं। अपने पिछले पांच मैचों में 11 विकेट के साथ बोल्ट शानदार फॉर्म में हैं और 21.00 की औसत और 8.80 की इकॉनमी रेट से 16 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा 4/26 है। मैच की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स को जयपुर के मैदान पर ही मुंबई इंडियंस ने धूल चटाते हुए सीजन की लगातार छठी जीत हासिल की और अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई। मुंबई ने जयपुर के मैदान पर 13 साल बाद राजस्थान को हराया है। जबकि 100 रन से हार राजस्थान की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया था। रिकल्टन, रोहित, हार्दिक और सूर्यकुमार की पारियों के दम पर मुंबई ने राजस्थान को 217 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की पारी शुरुआत में ही बिखर गई। उन्होंने पावरप्ले में ही 5 विकेट गंवा लिए थे जोकि इस सीजन में पहली बार हुआ है। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट ने 3-3 तो जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लीं।

भाई आजकल उम्र छोटी करके क्रिकेट भी खेलने लगे, वैभव सूर्यवंशी पर बॉक्सर विजेंदर सिंह ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़कर पूरे क्रिकेट जगत को चौंका दिया और इतिहास रच दिया। वैभव की इस पारी के बाद क्रिकेट के बड़े-बड़े दिग्गजों ने जहां उनकी तारीफ की तो वहीं कुछ लोग उनकी उम्र के लेकर भी संदेह में थे। अब भारत के लिए ओलंपिक में ब्रांज मेडल जीत चुके बॉक्सर विजेंदर सिंह ने भी इस युवा खिलाड़ी पर अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी की। अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में विजेंदर सिंह ने व्यंग करते हुए पूछा कि क्या लोगों ने क्रिकेट

खेलने के लिए अपनी उम्र कम करनी शुरू कर दी है। विजेंदर का यह पोस्ट वैभव द्वारा खेली गई ऐतिहासिक पारी के ठीक दो दिन बाद आया है और इसलिए ये माना जा सकता है कि वो राजस्थान रॉयल्स के इस नन्हें स्टार बल्लेबाज के बारे में बात कर रहे हैं। विजेंदर ने लिखा, भाई आज कल उम्र छोटी करके क्रिकेट में भी खेलने लगे। आपको बता दें कि खिलाड़ियों की उम्र को छोटा करके खेलने की घटना पहले कई बार सामने आ चुकी है। विजेंदर ने शायद उसे देखते हुए अब ऐसा कमेंट किया। आपको बता दें कि वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 37 गेंदों पर 7 चौकों और 11 गगनचुम्बी छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। वह टी20 क्रिकेट और आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था और यह आईपीएल के इतिहास में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक था। यह आईपीएल में क्रिस गेल के आईपीएल 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 30 गेंदों में शतक लगाने के बाद दूसरा सबसे तेज शतक भी था।

हम युवा खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाते हैं

● टीम बाहर हो चुकी, लेकिन अपने गुणगान में जुटे कोच

जयपुर, एजेंसी। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। मुंबई के खिलाफ हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें समाप्त हो गई। हालांकि, टीम के फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक अपने और अपनी टीम के गुणगान में जुटे हैं। याग्निक ने कहा कि मेगा नीलामी से पहले जोस बटलर और ट्रेंट बोल्ट जैसे सुपरस्टार को रिलीज करने की आलोचना के बावजूद उनकी टीम युवाओं का समर्थन करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि हमारी टीम युवा खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाती है।

राजस्थान रॉयल्स के 11 मैचों में केवल छह अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस ने गुरुवार को आरआर को 100 रन से हराया। रॉयल्स की टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं जिनमें आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल हैं, लेकिन इस टीम को इंग्लैंड के सीमित ओवरों के पूर्व कप्तान बटलर और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बोल्ट की बड़ी कमी खल रही है।

आने वाले समय में स्टार बन जाएंगे ये खिलाड़ी

रॉयल्स पिछले साल 14 मैचों में 17 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर रहते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ सलामी बल्लेबाज वैभव खाता भी नहीं खोल पाए, जबकि जायसवाल ने 13 रन बनाए। याग्निक ने कहा, वैभव सूर्यवंशी को देखिए, जब वह गुजरात के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे थे तो हर कोई खुश था। दर्शक खुश थे और हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में ये खिलाड़ी स्टार बन जाएंगे।

इसी टीम को आगे बढ़ाएंगे

उन्होंने कहा, समय आ गया है कि आप इससे आगे की सोचें। जब आपके पास स्टार खिलाड़ी नहीं है, तो आपको इसे भूल जाना होगा और आगे बढ़ना होगा। हमारे पास वैभव, यशस्वी जायसवाल हैं। संजू सैमसन हमारे कप्तान हैं। हम इस टीम के साथ आगे बढ़ेंगे और जीतकर दिखाएंगे। वैभव ने गुजरात के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन की पारी खेली थी।

पिछले साल और इस साल में टीम में अंतर

याग्निक से जब पिछले साल की टीम और इस साल की टीम के बीच अंतर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, स्टार (खिलाड़ियों) के बारे में आपके प्रश्न में एक बड़ा मुद्दा है। जब भी कोई नया खिलाड़ी आता है, तो वह स्टार नहीं होता है, लेकिन उसे स्टार बनाया जाता है। पिछले साल हमारे पास जो खिलाड़ी थे, जब वे टीम में आए तो वे स्टार नहीं थे, लेकिन वे स्टार बन गए और अब जो खिलाड़ी हमारी टीम में हैं, हम उन्हें स्टार बनाएंगे। हम सुपरस्टार खरीदते नहीं हैं, हम सुपरस्टार बनाते हैं और यही हमारा मुख्य उद्देश्य है।

बुमराह-बोल्ट के साथ काम करके आसानी हो रही

इस बीच मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने स्वीकार किया कि जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी करने से उनका काम आसान हो जाता है। उन्होंने कहा, जब आप विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो आपके लिए काम आसान हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी करने से मुझे मदद मिल रही है और जब आप एक इकाई के रूप में गेंदबाजी करते हैं, तो दूसरी टीम के लिए भी यह मुश्किल हो जाता है।

प्लेऑफ से बाहर होने पर बोले रियान पराग- हमने बहुत सी गलतियां की है

जयपुर, एजेंसी। रियान पराग को सीजन के बीच कप्तानी मिलना रास नहीं आया है। उनकी कप्तानी में राजस्थान प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई है। जयपुर के मैदान पर राजस्थान को 100 रन से हार झेलनी पड़ी जोकि इस मैदान पर मुंबई की 13 साल बाद हासिल की गई पहली जीत भी है। हार के कारणों पर चर्चा करते हुए राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा कि मुंबई जिस तरह से आज खेली, उन्हें श्रेय देना होगा। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, खेल को थोड़ा और आगे बढ़ाया, 10 रन प्रति ओवर की निरंतरता बनाए रखी और अंत में तेजी से रन बनाए, वह अच्छा था। जहां तक हमारी बल्लेबाजी का सवाल है, यह हमारा दिन नहीं था। अगर रनों का पीछा ही करना था तो 190-200 का लक्ष्य आदर्श होता। लेकिन अंत में हार्दिक और सूर्य भाई ने स्थिति बदल दी। हम आखिरी ओवरों में कुछ चीजें बेहतर कर सकते थे, लेकिन ऐसा ही है।

पराग ने हार के कारणों पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें अच्छी शुरुआत मिल रही है, लेकिन मध्य क्रम में मैं, ध्रुव पर जिम्मेदारी होती है कि पावरप्ले में विकेट खोने पर पारी को आगे बढ़ाया जाए। इसके लिए हमें खुद पर भरोसा करता होगा। अगर कोई और स्थिति

(आज की तरह) आती है तो हम इसके लिए तैयार रहेंगे। वहीं, राजस्थान के प्लेऑफ की रेस से बाहर होने पर पराग ने कहा कि हमने बहुत सी चीजें सही की हैं, बहुत सी चीजें गलत की हैं, हम उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं जो हमने सही की हैं। हमने बहुत सी गलतियां की हैं। उसे कैसे ठीक करना है, पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। हमारे पास कुछ करीबी मैच हैं, अगर हमें अगले 3 में पहले 10 खेलों की तरह अवसर मिलता है तो उम्मीद है कि हम इसे बेहतर कर सकते हैं।

अंक तालिका -राजस्थान 8वें स्थान पर

राजस्थान सीजन में 8 हार के साथ प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो गई है। राजस्थान ने 11 मैचों में सिर्फ तीन ही जीत हासिल की है जो उन्होंने चेन्नई, पंजाब और गुजरात के खिलाफ हासिल की थी। राजस्थान अंक तालिका में 8वें स्थान पर है। वहीं, मुंबई इंडियंस 11 मैचों में 7 जीत के साथ दूसरे स्थान पर आ गई है। पहले पर अभी भी 10 मैचों में सात जीत के साथ बेहतर रन रेट के कारण आरसीबी भी बनी हुई है। मुंबई ने दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, फिर हैदराबाद, लखनऊ और अब राजस्थान को हराया है।

आज चेन्नई के खिलाफ आरसीबी की निगाहें प्लेऑफ में जगह पक्की करने पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना करेगा तो उसकी निगाह प्ले ऑफ में अपनी जगह लगभग पक्की करने पर होगी। महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली की मौजूदगी के कारण यह मैच खास बन गया है क्योंकि क्रिकेट प्रेमियों को भारतीय क्रिकेट के इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को संभवतः आखरी बार एक दूसरे के खिलाफ खेलते हुए देखने का मौका मिलेगा।

इस मैच में जीत दर्ज करने पर आरसीबी के कुल 16 अंक हो जाएंगे और उसका प्लेऑफ में जगह बनाना लगभग सुनिश्चित हो जाएगा। आरसीबी को इसके बाद तीन और मैच खेलने हैं और जिस तरह से उसकी टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए टीम की निगाह शीर्ष दो में जगह बनाने पर लगी होगी ताकि उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलें। जहां तक चेन्नई का सवाल है तो उसके 10 मैच में केवल चार अंक हैं और वह प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है।

धोनी की अगुवाई वाली टीम हालांकि ऋचक के समीकरण बिगाड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस मैच में हालांकि सभी की निगाहें धोनी और कोहली पर टिकी रहेंगी। कोहली इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अभी तक टूर्नामेंट में 443 रन बनाए हैं और वह फिर से ऑरेंज कैप हासिल करने की कोशिश करेंगे जो प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को मिलती है।

उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले देवदत्त पडिक्कल से अच्छा सहयोग मिल रहा है। देवदत्त ने अपनी पिछली दो पारियों में दो अर्द्धशतक बनाए हैं। लेकिन कोहली निश्चित रूप से अपने सलामी जोड़ीदार फिल साल्ट से अधिक योगदान देखना चाहेंगे। आरसीबी को अपने कप्तान रजत पाटीदार से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

चेन्नई के गेंदबाजों में अभी तक तेज गेंदबाज खलील अहमद और स्पिनर नूर अहमद ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं और आरसीबी के बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। लेकिन चेन्नई के बल्लेबाजों को इस तरह की राहत नहीं मिलेगी क्योंकि उनका सामना जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार, कृणाल पंड्या और सुयश शर्मा से होगा।

चेन्नई के बल्लेबाजों ने अभी तक टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसकी टीम को उम्मीद होगी कि उनके बल्लेबाज जैसे आयुष म्हात्रे, सैम कुरेन, डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे अच्छा योगदान देंगे जिससे कि धोनी अंतिम ओवर में अपने स्वर परिचित आक्रामक अंदाज में रन बना सकें।

टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - रजत पाटीदार (कप्तान) फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, लुंगी एनगिडी, लियाम लिविंगस्टोन, स्वप्निल सिंह, मनोज भांडागे, रसिख दार सलाम, नुवान तुषारा, जैकब बेथेल, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स - एमएस धोनी (कप्तान, विकेटकीपर), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रवींद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्धार्थ, वंश बेदी।

समय -शाम 7.30 बजे।

श्रीसंत पर गिरी गाज

केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने लगाया तीन साल का प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन को बाहर किए जाने से जुड़े विवाद के संबंध में कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने के लिए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है।

केसीए ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय 30 अप्रैल को कोच्चि में आयोजित अपनी विशेष आम सभा की बैठक में लिया गया। श्रीसंत वर्तमान में केरल क्रिकेट लीग की एक फ्रेंचाइजी टीम कोल्लम एरीज के सह-मालिक हैं। इससे पहले उनकी विवादास्पद टिप्पणी के संबंध में श्रीसंत के साथ-साथ फ्रेंचाइजी टीमों कोल्लम एरीज, अलाप्पुझा टीम लीड और अलाप्पुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। बयान में कहा गया है, चूंकि फ्रेंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दिया है, इसलिए उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि बैठक में टीम प्रबंधन में सदस्यों की नियुक्ति करते समय अधिक सावधानी बरतने की सलाह देने का फैसला किया गया। बयान में कहा गया है कि आम सभा ने संजू सैमसन के पिता सैमसन विश्वनाथ और दो अन्य के खिलाफ संजू सैमसन के नाम का इस्तेमाल कर निराधार आरोप लगाने के लिए मुआवजे का दावा दायर करने का भी संकल्प लिया।

राजस्थान को हराकर मुंबई अंक तालिका में टॉप पर, सूर्यकुमार ने हासिल की ऑरेंज कैप

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के घर जयपुर में हराकर जीत का सिक्सर लगाते हुए आईपीएल 2025 के अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। मुंबई के टॉप पर पहुंचने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स को एक-एक स्थान नीचे खिसकना पड़ा है।

मुंबई ने जयपुर के मैदान पर 13 साल बाद राजस्थान को हराया है। जबकि 100 रन से हार राजस्थान की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया था। रिकल्टन, रोहित, हार्दिक और सूर्यकुमार की पारियों के दम पर मुंबई ने राजस्थान को 217 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की पारी शुरुआत में ही बिखर गई। उन्होंने पावरप्ले में ही 5 विकेट गंवा लिए

थे जोकि इस सीजन में पहली बार हुआ है। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट ने 3-3 तो जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लीं।

मुंबई के 11 मैचों में 7 जीत और 4 हार के बाद कुल 14 अंक हो गए हैं। हालांकि बेंगलुरु के 10 मैचों में 7 जीत और 3 हार के साथ 14 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण मुंबई टॉप पर है और बेंगलुरु खिसक कर दूसरे स्थान पर आ गई है। पंजाब के 10 मैचों में 6 जीत 3 हार और एक ड्रॉ के कारण 13 अंक हैं और वह इस समय तीसरे स्थान पर है। टॉप 4 में अंतिम टीम गुजरात टाइटंस है जिसने 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हैं। राजस्थान की बात करें तो वह 11 मैचों में मात्र 3 जीत के साथ 6 अंक सहित 8वें स्थान पर कायम है।

ऑरेंज कैप- मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने साई सुदर्शन और विराट कोहली को पछाड़कर ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। मुंबई बनाम राजस्थान मैच से पूर्व वह तीसरे स्थान पर थे लेकिन उन्होंने नाबाद 48 रन की पारी खेलते हुए ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। सूर्यकुमार के होल्ड 11 मैचों की 11 इनिंग्स में 68 के हाईएस्ट और 67.86 की औसत के साथ कुल 475 रन हो गए हैं। उनके नाम मौजूदा द्धक्र सीजन में 3 अर्धशतक हैं।

पर्पल कैप - पर्पल कैप की बात करें तो आरसीबी के जोश हेजलवुड के पास पर्पल कैप बनी हुई है। उनके नाम 10 मैचों की 10 इनिंग्स में 18 विकेट्स हैं। हेजलवुड ने 33/4 के बेस्ट और 8.44 की इकोनॉमी के साथ 18 विकेट्स लिए हैं।

वाकई एक परफेक्ट मैच था- राजस्थान को हराकर बोले हार्दिक पांड्या

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के मैदान पर राजस्थान रॉयल्स को हराने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि हमने जिस तरह बल्लेबाजी की और गेंदबाजी में भी जिस तरह सटीकता दिखाई ये वाकई एक परफेक्ट मैच था। हम शायद 15 रन और बना सकते थे। हमारी आपस में बातचीत यही थी कि

प्रतिशत के हिसाब से शॉट्स खेलें। सूर्या और मैंने कहा कि यहां शॉट्स की वैल्यू है। रोहित और रायन ने भी उसी अंदाज में बल्लेबाजी की। मुझे लगता है यह शानदार था। यह हमारी इस बात पर निर्भर नहीं करता कि किसे मौका मिला, बल्कि इस पर होता है कि उस स्थिति में क्या जरूरी है। हार्दिक ने कहा कि लोग अब फिर से बल्लेबाजी के मूल सिद्धांतों की ओर लौट रहे हैं। एक यूनिट के तौर पर हमने जिस तरह बल्लेबाजी की, वो असली बल्लेबाजी थी।